गुजरात में पिछले कई दिनों से भारी बारिश का सिलसिला जारी है। राज्य के कई हिस्सों में बाढ़ के हालात हैं। मौसम विभाग ने बुधवार 28 अगस्त के लिए रेड अलर्ट जारी कर दिया है। राज्य के कई जिलों में भारी बारिश के चलते स्कूलों को बंद रखने का ऐलान किया गया है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 114 दिनांक:28-08-2024 बुधवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

बीजेपी सांसद कंगना रनौत के किसानों को लेकर हाल ही में दिए गए बयान ने राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है। खासकर चुनावी राज्य हरियाणा में कांग्रेस ने इस मुद्दे पर बीजेपी और कंगना रनौत को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है।

गुजरात में बाढ़! 28 जिलों में रेड अलर्ट, 6 जिलों में ऑरेंज अलर्ट, बांध लबालब

अहमदाबाद,27 अगस्त

गुजरात में रेड अलर्ट और ऑरेंज अलर्टः गुजरात में भारी बारिश के कारण तबाही का मंजर पैदा हो गया है. राज्य के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गयी है. गुजरात में पिछले 24 घंटों में 251 तालुका में बारिश हुई है. सबसे ज्यादा बारिश मोरबी के टंकारा और पंचमहल के मोरवाहदफ में दर्ज की गई है. अब तक 14 इंच बारिश हो चुकी है।

मौसम विभाग ने आज 27 अगस्त को भारी बारिश के कारण गुजरात के 28 जिलों में रेड अलर्ट और 6 जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया है। गुजरात के कई शहरों में सुबह से ही बारिश हो रही है. अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, राजकोट, नवसारी, खेड़ा, पंचमहल, मोरबी और कच्छ में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। कई क्षेत्र अछूत हो गए हैं.

सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक राज्य में सबसे ज्यादा बारिश राजकोट शहर में 142 मिमी हुई, जबकि राजकोट के लोधिका में 125 मिमी, कोटडा सांगानी में 92 मिमी, चोटिला में 87 मिमी, खेड़ा के महुधा में 82 मिमी, द्वारका में 72 मिमी हुई। .रु, कल्याणपुर में 70 मिमी, थानगढ़ और वांकानेर में 66 मिमी, जूनागढ़ के केशोद में 61 मिमी, भनवाद में 59 मिमी, विसावदर और खंभालिया में 55 मिमी, चुडा, गोंडल और मेंदारा में 51 मिमी। जबकि 188 तालुका में 50 मिमी बारिश हुई है। पिछले 24 घंटों में गुजरात के 14 तालुकाओं में अब तक 10 इंच और 100 तालुकाओं में 4 इंच से ज्यादा बारिश हुई है.

मौसम विभाग ने अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, डांग, दाहोद, कच्छ, मोरबी, सुरेंद्रनगर, जामनगर, राजकोट, द्वारका, पोरबंदर, गिर सोमनाथ, जूनागढ़, पंचमहल, दाहोद, तापी, नवसारी, वलसाड, बोटाद, अमरेली, आनंद, को चेतावनी दी है। खेड़ा, महिसागर, नर्मदा में रेड अलर्ट घोषित किया गया है. जबकि गांधीनगर, बनासकांठा, मेहसाणा, पाटन, साबरकांठा और अरावली में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। गुजरात में अब तक सीज़न की 99.66 प्रतिशत बारिश हुई है, जिसमें कच्छ में 117 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात में 108 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 102 प्रतिशत, मध्य पूर्व गुजरात में 99 प्रतिशत और उत्तरी गुजरात में 80 प्रतिशत बारिश हुई है।

एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की टीमें तैनात

आपको बता दें कि बारिश प्रभावित जिलों में एनडीआरडी की 13 टीमें और एसडीआरएफ की 22 टीमें तैनात की गई हैं. जिससे बचाव और राहत कार्यों में मदद मिल रही है. राज्य में इस सर्वव्यापी बारिश के तहत 76 जलाशय यानी 100 प्रतिशत भरे हुए हैं जबकि 46 जलाशय-बांध 70 से 100 प्रतिशत के बीच हाई अलर्ट पर हैं। इसके अलावा राज्य के 23 बांधों को 50 फीसदी से 70 फीसदी तक भरने पर अलर्ट किया गया है. जबकि 30 बांध 25 से 50 फीसदी के बीच और 31 बांध 25 फीसदी से कम भरे हैं.

गुजरात की जीवदोरी समाना सरदार सरोवर योजना में वर्तमान में 2,90,547 एमसीएफटी। यानी कुल भंडारण क्षमता का 87 फीसदी रिकॉर्ड किया जा चुका है. जबकि इसके अलावा प्रदेश के अन्य 206 जलाशयों में 4,07,440 एमसीएफटी. यानी कुल भंडारण क्षमता का 72.73 फीसदी रिकॉर्ड किया गया है. इस प्रकार कुल 207 जलाशयों में 78 प्रतिशत से अधिक जल संग्रहण हो चुका है।

11 साल बाद जेल से बाहर आया आसाराम

जोधपुर(ईएमएस)। नाबालिग के साथ यौन शोषण के आरोप में जोधपुर सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा आसाराम मंगलवार को इलाज के लिए पुणे रवाना हो गए। आसाराम 11 साल बाद जेल से बाहर आया है। आसाराम सात दिन तक पुणे में खपोली स्थित माधव बाग हॉस्पिटल में हार्ट का इलाज करवाएगा। बता दें कि आसाराम को 13 अगस्त को राजस्थान हाईकोर्ट ने सात दिन की पैरोल दी थी। पैरोल की अवधि को हॉस्पिटल में पहुंचने के समय से गिना जाएगा। आसाराम के साथ उसकी सेविका शिल्पी भी थी। आसाराम जिस एंबुलेंस से एयरपोर्ट पहुंचे, उसे स्पेशल गेट से एंट्री दी गई।

कूनों में एक और चीता शावक की मौत

-कूनो में अब तक 12 चीतों की हो चुकी है मौत

श्योपुर(ईएमएस)। कूनो नेशनल पार्क में मंगलवार को एक चीते की मौत की दुखद खबर सामने आई। वन विभाग के हवाले से सूचना मिली कि नामीबियाई नर चीता पवन की मौत हो गई है। इससे पहले पांच अगस्त को भी अफ्रीकी चीता गामिनी के पांच महीने के शावक की मौत हो गई थी। अब तक कूनो में 6 वयस्क और 6 शावकों की मौत हो चुकी है।

एपीसीसीएफ एवं निदेशक, लायन प्रोजेक्ट उत्तम कुमार शर्मा के अनुसार मंगलवार सुबह लगभग 10.30 बजे नामीबियाई नर चीता पवन एक नाले के किनारे झाड़ियों के बीच बिना किसी हलचल के पड़ा हुआ पाया गया। बारिश के कारण नाला लबालब भरा हुआ था। पशु चिकित्सकों को सूचित किया गया और करीब से निरीक्षण करने पर पता चला कि सिर सहित शरीर का अगला हिस्सा पानी के अंदर था और शरीर पर कहीं भी कोई बाहरी चोट नहीं दिखी। प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण डूबने से लग रहा है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की जानकारी पता चलेगी। पवन की मौत के बाद कूनो नेशनल पार्क में अब 24 चीते बचे हैं, जिनमें 12 वयस्क और 12 शावक शामिल हैं।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से की बातचीत, भारत-रूस विशिष्ट रणनीतिक पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। प्रधानमंत्री ने पिछले माह 22वें भारत-रूस द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूस की अपनी सफल यात्रा का स्मरण किया। दोनों नेताओं ने अनेक द्विपक्षीय मुद्दों पर प्रगति की समीक्षा की तथा भारत और रूस के बीच विशिष्ट एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ बनाने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने परस्पर हित के विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन संघर्ष पर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने यूक्रेन की अपनी हाल की यात्रा से प्राप्त अन्तर्दृष्टि साझा की। उन्होंने संघर्ष के स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान के लिए सभी हितधारकों के बीच संवाद और कूटनीति के साथ-साथ ईमानदार और व्यावहारिक सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। दोनों नेताओं ने एक दूसरे के संपर्क में बने रहने पर सहमति व्यक्त की।

कोलकाता रेप-मर्डर केसः प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े, पथराव किया...पुलिस का लाठीचार्ज

वाटर कैनन चलाई, आंसू गैस के गोले दागे, भाजपा का आज बंगाल बंद

ममता के इस्तीफ की राजनीति

-नब्बाना प्रोटेस्ट के बीच ममता सरकार का अल्टीमेटम-आज कोई बंद नहीं, सबको दफ्तर आना होगा

कोलकाता (ईएमएस)। ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग को लेकर मंगलवार को बड़ी संख्या में छात्रों ने सडक़ों पर प्रदर्शन किया। छात्रों ने इसे नबन्ना अभियान नाम दिया। इसे रोकने के लिए सरकार ने 6000 पुलिस जवान तैनात किए गए। हावड़ा ब्रिज को सील कर दिया गया। रैली दोपहर शुरू हुई, लेकिन नबन्ना तक नहीं पहुंच सकी। इसकी वजह पुलिस की बैरिकेडिंग रही। कई रास्तों को बंद किया। ड्रोन से निगरानी की गई। छात्रों ने हावड़ा से लगे संतरागाछी में बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और वाटर कैनन चलाई। पुलिस की कार्रवाई में कई प्रदर्शनकारी जख्मी हुए। कई छात्रों को हिरासत में लिया गया। इस पर अब भाजपा ने बुधवार को बंगाल बंद का ऐलान किया है।

दरअसल, भाजपा और उसके समर्थित आंदोलनकारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मांग कर रहे हैं। इससे प्रदेश में ममता बनर्जी के इस्तीफे को लेकर राजनीति तेज हो गई है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 8 अगस्त की रात को ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह डॉक्टर की बॉडी मिली। इसके बाद देशभर के डॉक्टर सडक़ पर उतर आए थे। सुप्रीम कोर्ट की अपील के बाद कई अस्पतालों के डॉक्टरों ने हड़ताल कैंसिल कर दी। हालांकि प्रदर्शन का दौर जारी है।

भाजपा ने बुलाया है 12 घंटे का बंगाल बंद

भाजपा ने इस महीने की शुरुआत में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की भी मांग की। बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि हम आम हड़ताल का आह्वान करने के लिए मजबूर हैं क्योंकि यह निरंकुश शासन लोगों की आवाज, मृत डॉक्टर बहन के लिए न्याय की मांग को अनसुना कर रहा है। न्याय के बजाय, ममता बनर्जी की पुलिस राज्य के शांतिप्रिय लोगों पर हमला कर रही है, जो केवल महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण चाहते हैं। बंगाल बंद के आह्वान के समर्थन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि कोलकाता से पुलिस की मनमानी की तस्वीरों ने हर उस व्यक्ति को नाराज कर दिया है जो लोकतांत्रिक सिद्धांतों को महत्व देता है। दीदी के पश्चिम बंगाल में बलात्कारियों और अपराधियों की मदद करना मूल्यवान है, लेकिन महिला सुरक्षा के लिए बोलना अपराध है। भाजपा नेत्री लॉकेट चटर्जी ने अपने एक्स हैंडल पर नबन्ना प्रोटेस्ट मार्च का एक वीडिया शेयर किया, जिसमें भगवा वस्त्र पहने एक बुजुर्ग पुलिस के वाटर कैनन के सामने हाथ में तिरंगा लिए खड़ा है।

बंद की अनुमति नहीं

पश्चिम बंगाल सरकार ने मंगलवार को लोगों से 28 अगस्त को भाजपा द्वारा बुलाई गई 12 घंटे की हड़ताल में भाग नहीं लेने का आग्रह किया और कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि बंद के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित न हो। बता दें कि भाजपा ने मंगलवार को राज्य सचिवालय नब्बाना तक प्रोटेस्ट मार्च में भाग लेने वाले प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में बुधवार सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक बंगाल बंद का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मुख्य सलाहकार अलपन बंदोपाध्याय ने कहा कि सरकार बुधवार को किसी भी बंद की अनुमति नहीं देगी। हम लोगों से इसमें भाग नहीं लेने का आग्रह करते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए जाएंगे कि सामान्य जीवन अप्रभावित रहे। इसके बाद राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी करके अपने सभी कर्मचारियों से बंगाल बंद में शामिल नहीं होने की अपील की। इस बीच पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फोरम ने महिला ट्रेनी डॉक्टर के लिए न्याय की मांग करते हुए 28 अगस्त को कोलकाता में एक बड़ी रैली की घोषणा की है।

एनडीए को राज्यसभा में भी बहुमत, उपचुनाव में भाजपा के नौ और सहयोगी दलों के दो सदस्यों का निर्विरोध निर्वाचन

नई दिल्ली (ईएमएस)। राज्यसभा के लिए हुए उपचुनाव में भाजपा के नौ और सहयोगी दलों के दो सदस्यों के निर्विरोध चुने जाने के बाद सत्तारूढ़ एनडीए राज्यसभा में बहुमत के आंकड़े तक पहुंच गया है. नौ और सदस्यों के जुड़ने के साथ राज्यसभा में भाजपा की ताकत 96 तक पहुंच गई है वहीं एनडीए 112 पर पहुंच गया है. निर्विरोध निर्वाचित होने वाले दो अन्य लोगों में एनडीए के सहयोगी एनसीपी अजित पवार गुट के नितिन पाटिल और राष्ट्रीय लोक मंच से उपेंद्र कुशवाहा शामिल हैं.

वहीं कांग्रेस का भी एक सदस्य निर्वाचित हुआ है, जिससे राज्यसभा में विपक्ष की संख्या 85 हो गई.

राज्यसभा में 245 सीटें हैं, हालांकि वर्तमान में आठ सीटें खाली हैं. चार जम्मू-कश्मीर से और चार मनोनीत. सदन की मौजूदा सदस्य संख्या 237 के साथ बहुमत का आंकड़ा 119 है.

निर्विरोध चुने गए भाजपा उम्मीदवारों में असम से मिशन रंजन दास और रामेश्वर तेली, बिहार से मनन कुमार मिश्रा, हरियाणा से किरण चौधरी, मध्य प्रदेश से जॉर्ज कुरियन, महाराष्ट्र से धिर्य शील पाटिल, ओडिशा से ममता मोहंता, त्रिपुरा से भट्टाचार्जी और राजस्थान से रवनीत सिंह बिट्टू और राजीव शामिल हैं.

तेलंगाना से कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी निर्विरोध चुने गए हैं. वहीं राकांपा अजित पवार गुट के नितिन पाटिल महाराष्ट्र से निर्वाचित हुए और आरएलएम के उपेंद्र कुशवाह बिहार से उच्च सदन में पहुंचे हैं.

एनडीए पिछले एक दशक से राज्यसभा में बहुमत का आंकड़ा हासिल करने की कोशिश कर रहा है. इससे उसके लिए विधेयकों को पारित कराना और आसान हो जाएगा.

कंगना को दो करोड़ की मानहानि का नोटिस

बैतूल (ईएमएस)। भाजपा सांसद कंगना रनौत को किसान संघर्ष समिति ने उनके किसान आंदोलन पर दिए बयानके बाद मानहानि का नोटिस भेजा है। उन्हें एकसप्ताह में अपने बयान पर सार्वजनिक माफी मांगने को कहा गया है। ऐसानहींकरनेपर समिति उनके खिलाफ आपराधिक और सिविल मामला दायर करेगी। नोटिस में कंगना से 2 करोड़ रु की आर्थिक क्षति की मांग भी की गई है। किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष पूर्व विधायक डॉक्टर सुनीलम ने अपने वकील गुरुदत्त शर्मा के जरिए मंगलवार को यह नोटिस भेजा है। रजिस्टर्ड डाक से भेजेगएनोटिस में किसान संघर्ष समिति ने कंगनाकेबयान को बेहद आहत करने वाला बताया है। यहनोटिस उनके मनाली स्तिथ एड्रेस पर भेजा गया है, जिसमें पक्षकार किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष डॉक्टर सुनीलम को बनाया गया है।

पार्किंसंस रोग के प्रबंधन के लिए दवा की खुराक के समायोजन के लिए नया स्मार्ट सेंसर विकसित

नई दिल्ली (ईएमएस)। वैज्ञानिकों ने एक किफायती, उपयोगकर्ता के अनुकूल, पोर्टेबल स्मार्टफोन-आधारित फ्लोरोसेंस टर्न-ऑन सेंसर प्रणाली विकसित की है जो पार्किंसंस बीमारी की रोकथाम में सहायता प्रदान कर सकती है। यह सेंसर शरीर में एल-डोपा की सांद्रता का सटीक पता लगाने में मदद करेगा, जिससे इस रोग की प्रभावी रोकथाम के लिए आवश्यक सटीक खुराक का निर्धारण करने में मदद मिलेगी। पार्किंसंस रोग को न्यूरॉन कोशिकाओं में लगातार गिरावट से पहचाना जाता है जिससे हमारे शरीर में डोपामाइन (न्यूरोट्रांसमीटर) के स्तर में काफी कमी आ जाती है। एल-डोपा एक रसायन है जो हमारे शरीर में डोपामाइन में परिवर्तित हो जाता है, इसलिए यह एंटी-पार्किंसंस दवाओं के रूप में कार्य करता है।

यह डोपामाइन की कमी को पूरा करने में मदद करता है। जब तक शरीर को एल-डोपा की सही मात्रा दी जाती है, तब तक यह रोग नियंत्रण में रहता है। हालांकि, पार्किंसंस की प्रगामी प्रकृति के कारण, जैसे-जैसे रोगी की उम्र बढ़ती है, न्यूरॉन्स की निरंतर हानि को पूरा करने के लिए अधिक एल-डोपा की आवश्यकता होती है। हालांकि, एल-डोपा की अधिक मात्रा से रोगी में डिस्केनेसिया, गैस्ट्राइटिस, साइकोसिस, पैरानोया ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन जैसे गंभीर दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं, जबकि एल-डोपा की बहुत कम मात्रा से पार्किंसंस के लक्षण वापस आ सकते हैं।

अभी हाल में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उन्नत अध्ययन संस्थान (आईएएसएसटी) ने जैविक नमूनों में एल-डोपा के निम्न स्तर का तुरंत पता लगाने के लिए फ्लोरोसेंस टर्न-ऑन मैकेनिज्म का उपयोग करते हुए एक किफायती, उपयोगकर्ता के अनुकूल, पोर्टेबल स्मार्टफोन-आधारित ऑप्टिकल सेंसर प्रणाली विकसित की है।

विधानसभा में बिल पास, राज्यपाल की मंजूरी बाकी, केंद्रीय कैबिनेट भी दे चुकी मंजूरी

हिमाचल में 21 साल में होगी लड़कियों की शादी

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में लड़कियों के विवाह की न्यूनतम उम्र 21 साल करने का विधेयक विधानसभा में पारित हो गया है। मानसून सत्र में मंगलवार को सोशल जस्टिस मिनिस्टर धनीराम शांडिल ने बाल विवाह प्रतिषेध (हिमाचल प्रदेश संशोधन विधेयक, 2024) प्रस्तुत किया। इसे बिना चर्चा के सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। अब इस बिल को मंजूरी के लिए राज्यपाल को भेजा जाएगा। भारत में अभी लडक़ों की शादी की उम्र 21 साल और लड़कियों की 18 वर्ष है। लड़कियों की उम्र बढ़ाने से इसमें एकरूपता आएगी। इससे पहले हिंदू मैरिज एक्ट, 1955 में विवाह की उम्र लडक़ों के लिए 18 साल और लड़कियों के लिए 15 साल थी। साल 1978 में लड़कियों की शादी की उम्र 15 साल से बढ़ाकर 18 साल और लडक़ों की 18 से बढ़ाकर 21 साल की गई थी।

शादी के लिए लडक़ा-लडक़ी की उम्र में एकरूपता लाने के लिए राज्य सरकार ने लड़कियों की शादी की उम्र में 3 साल का इजाफा कर रही है। इसके संशोधित ड्राफ्ट को राज्य मंत्रिमंडल ने 7 महीने पहले ही मंजूरी दे दी थी। मंगलवार को सदन में संशोधन विधेयक पास हो गया। इससे पहले केंद्र सरकार ने भी संसद में बिल पेश किया था, लेकिन विरोध के चलते अब तक लागू नहीं हो पाया। सोशल जस्टिस मिनिस्टर धनीराम शांडिल ने बताया कि शादी की उम्र बढऩे से लड़कियों को जीवन में आगे बढऩे के अवसर मिलेंगे। अभी कुछ लोग लड़कियों की छोटी उम्र में शादी कर देते हैं। इससे बच्चियां पढ़ाई नहीं कर पाती और जीवन में आगे नहीं बढ़ पाती। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि शादी की उम्र बढ़ाकर उन्हें कुपोषण से बचाया जाए, क्योंकि जल्दी शादी के कारण मां बनने से उनके स्वास्थ्य पर कई बार बुरा असर पड़ता है। कई महिलाएं अपने करियर में भी आगे नहीं बढ़ पाती हैं।

अभी संसदीय पैनल के विचाराधीन है मामला

केंद्र सरकार भी लड़कियों की शादी की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 साल करने का निर्णय ले चुकी है। लड़कियों के लिए शादी की न्यूनतम उम्र को 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 साल करने के प्रस्ताव को केंद्रीय कैबिनेट ने दिसंबर 2020 में मंजूरी दी। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2020 को लाल किले की प्राचीर से इस प्रस्ताव की घोषणा करते हुए इसकी जानकारी दी थी। पीएम मोदी ने महिलाओं के लिए विवाह की न्यूनतम उम्र बढ़ाने के फैसले को लड़कियों को कुपोषण से बचाने के लिए जरूरी बताया था। पीएम ने इसके पीछे की वजह बताते हुए कहा था कि सरकार बेटियों और बहनों के स्वास्थ्य को लेकर हमेशा से चिंतित रही है। बेटियों को कुपोषण से बचाने के लिए, ये जरूरी है कि उनकी शादी सही उम्र में हो। अभी यह मामला संसदीय पैनल के सामने विचाराधीन है। इस विधेयक पर अंतिम निर्णय के लिए संसदीय पैनल को एक साल और समय दिया गया है।

कांग्रेस नेता को राज्यपाल बनवाने के नाम पर 11 करोड़ की ठगी

हिसार (ईएमएस)। हरियाणा के हांसी शहर के कांग्रेस नेता सुरेंद्र मलिक से चार साल पहले अंडमान निकोबार में राज्यपाल बनाने के नाम पर 11 करोड़ रुपये ठगने का आरोप है। पुलिस ने मामले में हरियाणा पुलिस के इंस्पेक्टर मानवीर को गिरफ्तार किया है। मानवीर को कोर्ट में पेश कर आठ दिन के रिमांड पर लिया है। कांग्रेस नेता मलिक की एक साल पहले मौत हो चुकी है। मलिक के पुत्र की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की।मामले में मानवीर के एक सहयोगी की तलाश है।

पुलिस के मुताबिक डॉ. दुष्यंत मलिक ने बताया कि मानवीर वर्ष 2020 में उनके पिता सुरेंद्र मलिक से मिले थे। इस दौरान उनके राजनीतिक रसूख का हवाला देकर उन्हें अंडमान निकोबार का राज्यपाल बनवाने में मदद की पेशकश की। इसके बदले में सुरेंद्र मलिक से 11 करोड़ रुपये लिए थे।

करीब 9 करोड़ पांच अलग-अलग बैंक खाते में और 2 करोड़ रुपये नकद दिए गए, लेकिन पिता को राज्यपाल नहीं बनाया। उन्होंने पैसे वापस मांगे। इस मामले में कई बार पंचायतें हुईं, लेकिन पिता को पैसे नहीं दिए। दुष्यंत ने बताया कि पिछले साल उनके पिता की मौत हो गई। पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने मामले की जांच की। मानवीर ने पहले सुरेंद्र के साथ दोस्ती की और विश्वास में लेकर ठगी को अंजाम दिया। मलिक बीजेपी नेता किरण चौधरी के भी खास रहे। उनके आवास पर पिछले साल ईडी ने रेड भी की थी। डीएसपी संजय सिंह ने बताया कि आरोपी मानवीर को गिरफ्तार कर आठ दिन के रिमांड पर लिया गया है। उसके साथी के बारे में भी पूछताछ की जाएगी।

शराब नीति घोटाला केस में के. कविता को जमानत

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली शराब नीति केस में आरोपी भारत राष्ट्र समिति लीडर के कविता को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस केस में जांच पूरी हो चुकी है। ट्रायल के जल्द पूरा होने की उम्मीद नहीं है। के कविता 5 महीने से जेल में बंद हैं। महिला हैं और पीएमएलए के सेक्शन 45 के तहत उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। इसी कोर्ट में कई आदेशों में कहा गया है कि अंडर ट्रायल कस्टडी को सजा में नहीं बदलना चाहिए। तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को ईडी ने 15 मार्च को हैदराबाद से अरेस्ट किया था। इसके बाद सीबीआई ने उन्हें 11 अप्रैल को कस्टडी में लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआइ और ईडी दोनों केस में के कविता को जमानत दी है।

विज्ञापनों से जुड़े केंद्र के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

-नियम 170 के मुताबिक, लाइसेंसिंग अथॉरिटी के अप्रूवल के बिना आयुर्वेदिक, सिद्ध और यूनानी दवाओं का विज्ञापन नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स, 1945 के नियम 170 हटाने के केंद्र के फैसले पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने इससे जुड़ा आयुष मंत्रालय का नोटिफिकेशन भी रद्द कर दिया है। नियम 170 आयुर्वेदिक, सिद्ध या यूनानी दवाओं के भ्रामक विज्ञापनों पर रोक लगाता है। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने केंद्र को फटकार लगाई। कहा कि मंत्रालय का नोटिफिकेशन उसके 7 मई, 2024 के आदेश के खिलाफ है। सरकार कोर्ट के आदेश के बावजूद नियम 170 हटाने का फैसला कैसे कर सकते हैं?

दरअसल, केंद्र ने 29 अगस्त, 2023 को एक लेटर जारी किया था। इसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नियम 170 के तहत कंपनियों पर कोई कार्रवाई शुरू या नहीं करने को कहा गया था। नियम 170 को 2018 में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स,1945 में जोड़ा गया था। इसमें कहा गया कि आयुर्वेदिक, सिद्ध और यूनानी दवाएं, जिस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में बन रही है, वहां की लाइसेंसिंग अथॉरिटी के अप्रूवल के बिना विज्ञापन नहीं दिया जा सकेगा।

जस्टिस कोहली ने कहा कि नियम 170 हटाने का क्या मतलब है। प्रकाशन से पहले विज्ञापनों पर प्रतिबंध या जांच लगाने के लिए नियम 170 लगाई गई थी। इसकी वापसी का मतलब है कि विज्ञापनों की जांच उसके छपने या प्रसारित होने के बाद ही की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर केंद्र से जवाब भी मांगा है। कोर्ट ने कहा कि सरकार से स्पष्टीकरण मिलने तक नियम 170 को हटाने वाली 1 जुलाई, 2024 की अधिसूचना स्थगित रहेगी। यानी कंपनियों के लिए यह कानून लागू रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट में 7 मई को पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन केस की सुनवाई के दौरान नियम 170 का मुद्दा उठा था। दरअसल, पतंजलि पर कोविड वैक्सीनेशन, एलोपैथी के खिलाफ निगेटिव प्रचार और खुद की आयुर्वेदिक दवाओं से कुछ बीमारियों के इलाज का झूठा दावा करने का आरोप है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से 17 अगस्त 2022 को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। 7 मई, 2024 को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने आयुष मंत्रालय के लेटर पर केंद्र से सवाल किया था। कोर्ट ने पूछा कि आपने नियम 170 के तहत कोई कार्रवाई नहीं करने के लिए क्यों कहा है? सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद केंद्र ने आयुष मंत्रालय 1 जुलाई, 2024 को लेटर वापस ले लिया था। हालांकि, केंद्र ने लेटर वापस लेने के बाद एक नोटिफिकेशन जारी किया और इस नियम को पूरी तरह से हटा दिया था।

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 3 सितंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई केस में सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत मंगलवार को 3 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। केजरीवाल तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि उनका शुगर लेवल डाउन हो रहा है। इसी वजह से लंच करने की इजाजत मांगी है। सीबीआई ने 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी की मांग की थी, लेकिन अदालत ने एक हफ्ते ही हिरासत बढ़ाई। इससे पहले 20 अगस्त को लोअर कोर्ट ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 27 अगस्त तक के लिए बढ़ा दी थी।

दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट ने 5 अगस्त को केजरीवाल की सीबीआई की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करदी थी। साथ ही जमानत के लिए लोअर कोर्ट जाने को कहा था। 23 अगस्त को सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि उन्हें शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और आप विधायक दुर्गेश पाठक पर केस चलाने की मंजूरी मिल गई है।

चंपाई सोरेन भाजपा में होंगे शामिल

दिल्ली (ईएमएस)। झारखंड के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार रात सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- चंपाई सोरेन ने कुछ देर पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। वे रांची में आधिकारिक रूप से भाजपा में शामिल होंगे। दिल्ली में 25 अगस्त को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद चंपाई को जेड प्लस सुरक्षा दे दी गई है। झारखंड पहुंचने के बाद वे इसी सुरक्षा घेरे में रहेंगे। चंपाई 28 अगस्त को झारखंड कैबिनेट से इस्तीफा दे सकते हैं।

जम्मू कश्मीर में एनसी को ज्यादा सीटें देने पर कांग्रेस नेता नाखुश

श्रीनगर,(ईएमएस)। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस के कुछ नेता नाराज हैं। कांग्रेस के एक धड़े का कहना है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस को ज्यादा सीटें मिल रही हैं। कई नेताओं का कहना है कि सीट बंटवारे में जम्मू की हिंदू बहुल सीटें नेशनल कॉन्फ्रेंस के हिस्से में आई हैं।

राज्य में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ने वाले हैं। दोनों पार्टियां 85 सीटों पर अपने-अपने उम्मीदवार उतारेंगी। फारूख अब्दुल्ला की नेशनल कान्फ्रेंस 51 सीटों पर तो कांग्रेस 32 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं सीपीआई (एम) और पैंथर्स को एक-एक सीट देने पर सहमति बनी है।

गठंबधन का ऐलान करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सीटों के बंटवारे के लिए कांग्रेस के साथ बातचीत हो चुकी है। 90 में से एनसी 51 सीटों और कांग्रेस 32 पर चुनाव लड़ेगी और यह सहमति बनी है कि पांच सीटें फ्रेंडली फाइट के लिए छोड़ी हैं। एक सीट सीपीआई (एम) और एक पैंथर्स पार्टी को दी गई है।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर दस साल बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। धारा 370 खत्म करने के बाद जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित क्षेत्र बना दिया गया था। इसके बाद पहली बार चुनाव होना है। चुनाव तीन फेजों में होंगे। राज्य की 90 विधानसभा सीटों के लिए 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को मतदान होगा। वहीं चार अक्टूबर को चुनावों के नतीजों का ऐलान किया जाएगा।

किसानों को बलात्कारी कहना बीजेपी सांसद का गैर जिम्मेदाना बयान, माफी मांगे

-प्रियंका बोलीं-कंगना के पास पीएम, गृहमंत्री और एनएसए से भी ज्यादा जानकारी

मुंबई,(ईएमएस)। किसान आंदोलन में रेप और

जन हितैषी

मिल सकती है, रिटायर्ड होने के बाद वेतन की 50 फ़ीसदी पेंशन?

केंद्र सरकार द्वारा जो नई एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को शुरू करने का जो फैसला लिया गया है। उस फैसले से कर्मचारियों को अपने अंतिम वेतन की राशि का 50 फ़ीसदी पेंशन में मिलेगा या नहीं, इस पेंशन योजना में बहुत सारी शर्त, किंतु परंतु लगे हैं। कर्मचारी सभी मानकों का पालन सही तरीके से कर पाएगा, तभी उसे अंतिम वेतन का 50 फ़ीसदी राशि की पेंशन सेवा निवृत्ति के बाद कर्मचारियों को पेंशन के रूप में मिल सकेगी। शासकीय कर्मचारी को अपने पेंशन खाते को हमेशा क्रियाशील रखना पड़ेगा। सरकार कर्मचारियों के पेंशन के दो खाते खोलेगी। एक खाते में कर्मचारियों के वेतन से 10 फ़ीसदी अंशदान ओर सरकार का 10 फ़ीसदी अपनी ओर से मिलाकर एक पृथक खाते में रखा जाएगा। केंद्र सरकार दूसरे खाते में अपनी ओर से 8.50 फ़ीसदी अंशदान की राशि जमा करेगी। पेंशन नियामक प्राधिकरण नई योजना में यदि कर्मचारी के द्वारा नई शर्तों का पालन नहीं किया जाता है तो ऐसी स्थिति में उसकी पेंशन कम बनेगी। शासकीय कर्मचारी पेंशन फंड से 50 फ़ीसदी राशि हमेशा जमा रखेगा। उसके बाद ही वह अपने अंतिम वेतन का 50 फ़ीसदी पेंशन के रूप में पाने का अधिकारी होगा। अधिक पेंशन पाने के लिए सेवानिवृत्ति के बाद भी कॉरपस फंड में 50 फ़ीसदी राशि रखना अनिवार्य होगा। यदि यह राशिपेंशन फंड में जमा नहीं रहेगी, तो कर्मचारी की पेंशन कम बनेगी। सरकार द्वारा जो 8.50 फ़ीसदी अंशदान दूसरे खाते में रखा जायेगा, उसकी भरपाई के लिए यह दूसरा खाता होगा। जिसमें से 50 फ़ीसदी पेंशन को पूरा करने की गारंटी सरकार द्वारा दी जा रही है। यदि पहले वाले खाते में कर्मचारी डिफॉल्ट होता है तो उस हालत में सेवानिवृत्ति के बाद उसे कम पेंशन मिलेगी। कर्मचारी अपने पेंशन फंड में जमा 50 फ़ीसदी से ज्यादा राशि निकाल लेता है। उस हालत में उसे अंतिम वेतन की 50 फ़ीसदी राशि पेंशन के रूप में नहीं मिलेगी। पेंशन खाते में जमा फंड के अनुसार ही पेंशन कम या ज्यादा होगी। सरकार ने जो योजना वर्तमान में तैयार की है, उसके अनुसार केंद्रीय कर्मचारियों को नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) या यूपीएस का विकल्प चुनना होगा। यूपीएस योजना को लागू करने का दायित्व सरकार द्वारा पेंशन नियामक प्राधिकरण को दिया गया है। जल्दबाजी में सरकार ने इस पेंशन स्कीम की घोषणा तो कर दी है, लेकिन अभी वित्त मंत्रालय के साथ मिलकर योजना को अंतिम स्वरूप दिया जाना बाकी है। सरकार द्वारा, अभी जो जानकारी दी गई है, उसके अनुसार यदि कर्मचारी सेवानिवृत्ति के बाद अपने पेंशन फंड से 50 फीसदी राशि अपने कॉरपस फंड में जमा नहीं रखेगा। तो उसकी पेंशन कम हो जाएगी। केंद्र सरकार को नई पेंशन योजना के बारे में राज्य सरकारों से भी विचार विमर्श करना होगा। पेंशन नियामक प्राधिकरण केंद्र के साथ-साथ राज्यों के पेंशन फंड का भी रखरखाव करता है। ऐसी स्थिति में अगले महीनो में इस योजना के बारे में वास्तविक स्थिति का पता कर्मचारियों को लग पाएगा। सरकार ने जो घोषणा की है, उसके अनुसार नई पेंशन योजना 1 अप्रैल 2025 के बाद ही लागू होगी। पेंशन योजना को लेकर केंद्रीय एवं राज्य के कर्मचारियों में भारी रोष था। कई राज्यों के विधानसभा चुनाव में पेंशन योजना के कारण भारतीय जनता पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा था। केंद्र सरकार ने जिस पेंशन स्कीम की घोषणा की है। उसमें उसने एक बात का ध्यान रखा है। अंतिम वेतन की 50 फ़ीसदी राशि पेंशन के रूप में कर्मचारियों को मिले। लेकिन इसके लिए रिटायरमेंट के पहले और बाद में उसके लिए 50 फीसदी राशि पेंशन फंड में जमा करना अनिवार्य होगा। यदि कर्मचारी अपने खाते में 50 फ़ीसदी राशि हमेशा नहीं रख पाया, ऐसी स्थिति में उसकी पेंशन कम हो जाएगी। नए नियमों को देखने से यही लग रहा है। सरकार ने पेंशन कानून में जिस तरीके से दो खाता खोलने और नियम और शर्तों के साथ ओल्ड पेंशन स्कीम कहकर प्रचारित किया जा रहा है। इस नई पेंशन स्कीम को कर्मचारी संगठन संतुष्ट होंगे, यह कहना बड़ा मुश्किल है। केंद्र सरकार ने जिस तरह से कारोबारी अपने उत्पाद को बेचने के लिए बड़े आकर्षक ढंग से ब्रांडिंग करते हैं। अपने उत्पाद के बारे में बढ़ा चढ़ाकर बताते हैं। उसके बाद उसमें नियम और शर्तें लगाकर जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करते हैं। सरकार ने भी नई एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) में यही करने का प्रयास किया है। सरकार ने एक तीर से दो शिकार किए हैं। कर्मचारियों की ज्यादा से ज्यादा राशि पेंशन नियामक प्राधिकरण में जमा रहे। जमा राशि के ब्याज के आधार पर कर्मचारियों को पेंशन मिले। सरकार का प्रयास पहले भी यही था, वर्तमान नई पेंशन स्कीम में भी यही प्रयास है। सरकार ने 8.50 फ़ीसदी अंशदान का जो दूसरा खाता खोलने का प्रावधान रखा है, उसमें जमा राशि का उपयोग कर्मचारी के सेवानिवृत हो जाने के बाद सरकार द्वारा जरूरत के अनुसार अंशदान के रूप में किया जाएगा। सेवानिवृत्ति के बाद जो राशि कर्मचारी की जमा होती थी, वह पूरी निकाल सकता था। अब उसे 50 फ़ीसदी जमा राशि हमेशा पेंशन खाते में रखनी पड़ेगी। कर्मचारी संगठन जब इस योजना के नियम एवं शर्तों को जानेंगे। नई पेंशन योजना का हिसाब किताब कर उसकी गणना करेंगे। उसके बाद सरकार द्वारा जो नई पेंशन स्कीम घोषित की गई है। वह वर्तमान में जो नेशनल पेंशन स्कीम चल रही है। उससे अच्छी है या खराब इसका पता तो नियम बन जाने के बाद ही लगेगा। नई पेंशन योजना से कर्मचारियों को कोई ज्यादा फायदा होता हुआ दिख नहीं रहा है। जिन केंद्रीय कर्मचारियों को 50 फ़ीसदी पेंशन सेवा निवृत्ति के बाद चाहिए है, उन्हें पेंशन खातों में न्यूनतम जमा राशि रिटायरमेंट के बाद रखना पड़ेगी। वह जीवित रहते हुए उस राशि का उपयोग करेंगे, तो उसी अनुपात में उनकी पेंशन भी उनके कम हो जाएगी। सरकार ने कर्मचारियों की नाराजी को देखते हुए लगता है, कर्मचारियों को एक नया झुनझुना पकड़ा दिया है। झुनझुना आगे चलकर किस तरह से बजता है, इसके लिए कुछ समय इंतजार करने की जरूरत है। हां सरकार और मीडिया इसे बहुत बड़ा कदम बता रही है। इसकी वास्तविकता का आंकलन कर्मचारी संगठन करेंगे।

ऐसे कथित मौलवियों का बहिष्कार करे मुस्लिम समाज

जो इस्लाम धर्म अपने प्रवर्तक पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद के एकेश्वरवाद के मूल सिद्धांत के साथ साथ समानता,प्रेम,सद्भाव व करुणा की विशेषताओं के साथ उनके जीवन काल में ही विश्वस्तर पर प्रसारित हो चुका था वही इस्लाम हज़रत मुहम्मद के देहांत के बाद से ही तरह तरह की विचारधाराओं व मतों में विभाजित हो गया। पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद के वास्तविक इस्लाम की रक्षा के लिये जहाँ उनके उत्तराधिकारी हज़रत अली ने इस्लाम विरोधी शक्तियों से कई जंग लड़ीं वहीं हज़रत अली के बेटे हुसैन ने इस्लाम को सल्तनत का पर्याय समझने वाले दुराचारी सीरियाई शासक यज़ीद के चंगुल से इस्लाम, इस्लामी सिद्धांत व उसकी पवित्रता को बचाने के लिये करबला में अपनी जान की क़ुरबानी दी। परंतु दुर्भाग्यवश विश्व का दूसरे नंबर का सबसे बड़ा धर्म होने के बावजूद आज इसी इस्लाम में सैकड़ों वर्ग बन चुके हैं। यहाँ तक कि कई वर्गों में आज भी ख़ूनी संघर्ष होते आ रहे हैं। मुसलमानों के इसी परस्पर मतभेद का नतीजा है कि आज दुनिया के कई देशों में मुसलमानों पर ज़ुल्म ढाये जा रहे हैं और एक अल्लाह एक क़ुरआन एक रसूल का मानने वाला परन्तु अनेक वर्गों में विभाजित मुस्लिम जगत असहाय होकर केवल तमाशाई बना बैठा है।

इस्लाम को जहाँ अनेक मुस्लिम आक्रांताओं,सुल्तानों,बादशाहों व हुक्मरानों ने अपनी सत्ता के स्वार्थवश अपने तरीक़े से परिभाषित किया और अपनी हुकूमत के विस्तार या उसकी रक्षा के लिये जिहाद की अवधारणा को कलंकित कर इस्लाम को बदनाम किया वहीं विभिन्न वर्गों के मुल्लाओं व मौलवियों ने भी इस्लामी शरीया की आड़ में अपने मनगढ़ंत फ़तवे जारी कर इस्लाम को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जिहाद और फ़तवा इन दो शब्दों का तो इन साम्राज्यवादी मानसिककता के लोगों व मुल्लाओं ने इतना दुरूपयोग किया कि अब इस्लाम विरोधी शक्तियां इसका मज़ाक़ उड़ाने लगी हैं।

इसी इस्लाम धर्म में विवाह को लेकर भी यह व्यवस्था है कि किसी मुस्लिम लड़के/लड़की द्वारा आवश्यक हो तो अपने रिश्ते के चाचा और रिश्ते के मामा के लड़के/लड़की से शादी की जा सकती है। परन्तु अपनी सगी बहन की और सगे भाई की लड़की से शादी तो हरगिज़ नहीं होती। माता व पिता की बहन से शादी नहीं हो सकती। यदि लड़के की माँ ने किसी दूसरे की लड़की को अपना दूध पिलाया हो यानी दूध शरीक हो तो उस लड़के /लड़की से भी आपस में शादी नही हो सकती। चचेरी,मौसेरी,ममेरी भाई बहन (कज़िन) में परस्पर शादी की परम्परा या प्रथा केवल इस्लाम में ही नहीं है बल्कि येरुशलम में अरबों में,पारसियों,यहूदियों,यहाँ तक कि दक्षिण भारत ख़ासकर कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश और तमिलनाडु के कई हिन्दू समुदायों में भी कज़िन के साथ परस्पर शादी की परम्परा पाई जाती है। चचेरे भाई-बहनों के बीच विवाह को कुछ अमेरिकी राज्यों में भी क़ानूनी मान्यता प्राप्त है। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार तो श्री कृष्ण ने अपनी बहिन सुभद्रा की शादी अपनी बुआ कुंती के पुत्र अर्जुन से कराई थी। सुभद्रा-अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु थे । परन्तु सगी बहन के साथ शादी का उल्लेख मानव जाति के किसी भी धर्म अथवा समुदाय में सुनने को नहीं मिला। हाँ यदि दुनिया में कहीं किसी आदिवासी क़बीले में ऐसा होता हो तो उसे अपवाद के रूप में देखा जा सकता है।

पिछले दिनों भारत में मौलाना जर्जिस अंसारी ने जोकि स्वयं के इस्लामिक उपदेशक होने का दावा करते हैं, ने विवाह को लेकर एक इतना आपत्तिजनक व विवादित बयान दे दिया जिससे हंगामा खड़ा हो गया और इस्लाम विरोधी शक्तियों को इस्लाम पर निशाना साधने का एक और मौक़ा मिल गया। मौलाना जर्जिस अंसारी ने उपदेश में कहा कि- ये कितनी बड़ी बेअक़्ली की बात है कि लोग अपनी बहन से निकाह न करें और दूसरों की बहन बेटी के साथ निकाह कर रहे हैं।जबकि बहन आपने मिज़ाज को जानती है,वो जानती है मेरे भाई को ग़ुस्सा कब आता है,वो जानती है कि मेरे भाई का ग़ुस्सा कैसे दूर होता है। वो ख़ूबसूरत है वो हसीन भी है वो जमील भी है,लेकिन कितनी बड़ी बद अक़्ली की बात है कि एक भाई अपनी ख़ूबसूरत, हम मिज़ाज बहन को छोड़ कर दूसरे की बहन से शादी कर लेता है और अपनी बहन को किसी दूसरे के हवाले कर देता है? जब हमारी बहन हमारे लिये खाना बना सकती है,हमारे लिये बिस्तर लगा सकती है,हमारा सिर दबा सकती है हमें दवा खिला सकती है,मजबूरियों और परेशानियों में हमारा ख़याल रख सकती है तो उसके साथ शादी की लज़्ज़त क्यों हासिल नहीं की जा सकती? हसीन ो जमील और ख़ूबसूरत सरमाये को और हसीन ो जमील बहन को किसी दूसरे के हवाले कर दो और दूसरे का कबाड़ख़ाना उठा कर अपने घर पर ले आओ ? आगे मौलाना फ़रमाते हैं कि -आपसे आप लाख कहिये कि समाज इजाज़त नहीं देता,ये इजाज़त नहीं देता वो इजाज़त नहीं देता,नहीं,ये सब कहने वाली बात है। अगर अक़्ल को ही आप दख़ल देंगे और हर चीज़ अक़्ल से सोचेंगे तो आप बताइये कि अक़्ली तौर पर इसमें क्या बुराई है ?कि मैं अपनी ख़ूबसूरत बहन को किसी ऐसे इंसान के हवाले कर दूँ कि जिसकी ज़िन्दिगी से हम वाक़िफ़ नहीं हैं ? जिसके ग़ुस्से गर्मी से हम वाक़िफ़ नहीं हैं ? जिसकी लाचाराना ज़िन्दिगी से हम वाक़िफ़ नहीं हैं, हम अपनी बहन को उसके हवाले कर दें और दूसरे की बहन को हम ले आयें जिससे हम वाक़िफ़ नहीं हैं ? आप बताइये अक़्ली तौर पर अक़्ल क्या कहती है ?

गोया इस मौलवी की नज़रों में भाई बहन की ही आपस में शादी की जानी चाहिये। जबकि दूसरे के घर की लड़की को यह मौलवी कबाड़ बता रहा है। इस मौलवी के बारे में पड़ताल करने पर पता चला कि सितंबर 2022 में इटावा के एक रेप केस में फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट-प्रथम ने इसे 10 साल के सश्रम कारावास की सज़ा सुनाई थी तथा इस पर 10,000 रुपय का जुर्माना भी लगाया था। वाराणसी के जैतपुरा इलाक़े की एक महिला ने इस मौलवी पर 2016 में बलात्कार का आरोप लगाया था। जर्जिस अंसारी महिलाओं और अनुसूचित जाति पर टिप्पणी करने के लिये भी विवादों में रहा है। यह धमकी भी दे चुका है कि यदि उसे देश से बाहर निकालने की कोशिश की गयी तो वह देश के कोने-कोने में जिहाद करेगा। गोया अपने निजी कारणों के लिये यह जिहाद को भी सही ठहरा सकता है ? यह अपने प्रवचनों में संस्कृत और वेद व अनेक हिन्दू धर्म शास्त्रों का भी ज़िक्र करता रहा है। कहा जा सकता है कि यह उन चंद मोलवियों में शामिल है जिसे हिन्दू धर्म व संस्कृत जैसे विषयों की भी जानकारी है।

परन्तु उस ज्ञान का अर्थ यह नहीं कि आप अपने गोबर भरे दिमाग़ का ऐसा उपयोग करने लगें कि इंसान व जानवर में कोई अंतर ही न रह जाये। केवल पशुओं में ही भाई बहनों के शारीरिक सम्बन्ध होते हैं प्रबुद्ध मानवजाति में क़तई नहीं। इसके इस बयान से तो यही प्रतीत होता है कि या तो इसे इस्लाम धर्म व सिद्धांतों की सही जानकारी नहीं। यदि इसकी बात सही होती तो इसे पैग़ंबर, ख़लीफ़ा या इमामों के परिजनों में से किसी एक विवाह का कोई उदाहरण पेश करना चाहिये जहां भाई बहन की शादी हुई हो। या फिर इसे किसी ने अपना मोहरा बनाकर इस्लाम धर्म को और भी विवादित बनाने की कोशिश की है और यह किसी इस्लाम विरोधी ताक़त के हाथों का मोहरा बन चुका है। किसी दूसरे की बेटी को कबाड़ बताना भी इसकी विकृत मानसिकता को दर्शाता है। ऐसे अनैतिक, अति विवादित, आपत्तिजनक , धर्म व मानवता विरोधी बयान देने वाले तथाकथित स्वयंभू मौलवियों का मुस्लिम समाज को सम्पूर्ण बहिष्कार करना चाहिये।(लेखक- तनवीर जाफ़री/ ईएमएस)

तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख...

(कहो तो कह दूं)

आज से लगभग तीस बरस पहले राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित एक फिल्म आई थी नाम था दामिनी फिल्म हिट हुई थी लेकिन उसका एक डायलॉग जो एक वकील के रूप में सनी देओल अदालत में कहता है फिल्म से भी ज्यादा मकबूल हुआ था जिसमें वो अदालत में चिल्ला चिल्ला का कहता है तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख मिलती रही लेकिन इंसाफ नहीं मिला माई लॉर्ड। खैर वो तो फिल्म थी लेकिन मध्य प्रदेश में भाजपा के उन नेताओं को जो बेचारे निगमों, मंडलों, प्राधिकरणों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष बनने की राह देख रहे हैं उन्हें भी इसी तरह तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख, मिलती जा रही है लेकिन कुर्सी नहीं मिल रही है सीएम साहब। प्रदेश में विधानसभा चुनाव खत्म हुए 8 महीने लगभग बीत चुके हैं, जो नेता शिवराज सिंह चौहान के जमाने में अध्यक्ष उपाध्यक्ष बनाए गए थे उनकी कुर्सी वर्तमान सीएम मोहन यादव ने एक झटके में खींच ली। सारे निगमों मंडलों प्राधिकरणों के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों को हटाकर इनकी बागडोर अफसरों के हाथों में सौंप दीऔर यह बताया गया कि बहुत जल्दी अब दूसरे लोगों को इसमें अवसर दिया जाएगा। तब से भारतीय जनता पार्टी के तमाम लीडरान इसी आशा में डॉक्टर मोहन यादव की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रहे हैं कि काश कभी उनकी तरफ भी नजरे इनायत हो जाएं। तमाम मंडल, प्राधिकरण, निगम अपने-अपने मुखिया की राह तक रहे हैं कि कोई तो उनकी सुध ले ले, लेकिन डॉक्टर साहब है तो किसी को दवाई देने तैयार नहीं। कुर्सी की बीमारी से तमाम नेता त्रस्त हो गए हैं कि कब उन्हें कुर्सी पर बैठने का मौका मिल जाए, लेकिन 8 महीने में न जाने कितनी बार उन्हें तारीख मिल चुकी है कि बस अब वक्त आ गया है जब उन्हें किसी न किसी निगम में मंडल में या प्राधिकरण में अध्यक्ष या उपाध्यक्ष बना दिया जाएगा, लेकिन जैसे कल कभी नहीं आता वैसे ही वो तारीख सामने नहीं आ रही है जिस तारीख में इन तमाम नेताओं को एडजस्ट किया जाएगा। इच्छुक नेता दिल्ली दरबार की भी परिक्रमा करने में जुटे हैं कि भोपाल में सेटिंग ना भी हो पाए तो सीधा डायरेक्ट दिल्ली से मामला सेट कर लिया जाए, लेकिन बेचारों की आंखें पथरा गई हैं ,अच्छी खबर सुनने के लिए कान तरस गए हैं, कुर्सी पर बैठने के लिए शरीर तड़प रहा है लेकिन दूर-दूर तक कोई रास्ता नजर आता नहीं दिखता। अब एक खबर आई है कि तीन महीने बाद इस मसले पर विचार किया जाएगा , यानी कुल मिलाकर इन तीन महीनों तक लोगों का कुछ नहीं हो पाएगा पर तीन महीने बाद फिर कौन सी नई तारीख मिलती है ये कहना बड़ा मुश्किल है। लोग बाग कहते हैं इंतजार का फल बड़ा मीठा होता है लेकिन यहां तो इंतजार करते-करते ,बड़े नेताओं के चक्कर काटते काटते चप्पलें घिस गई हैं लेकिन वो परमानेंट तारीख अभी तक नहीं मिल पाई है जिस तारीख में इनके अपॉइंटमेंट हो पाएंगे।

ये दिन आ गए अब इनके

आईएएस अफसरों के बारे में ये कहा जाता है कि पचास हजार में से एक व्यक्ति आईएएस बन पाता है और एक बार आईएएस बन जाता है तो फिर उसकी हैसियत राजा जैसी हो जाती है। नेताओं का क्या है 5 साल बाद क्या पता नहीं कुर्सी मिलती है कि नहीं मिलती लेकिन आईएएस तो पैंतीस साल राज करता है, सारे अधिकार उसके हाथों में होते हैं। कलेक्टर जिले का राजा होता है तो मुख्य सचिव पूरे प्रदेश का। कौन सी योजनाएं चलाना है, किसको ठेका देना है, किसको ओब्लाइज करना है, किसको परेशान करना है ये सब वही तय करते हैं लेकिन मध्य प्रदेश के आईएएस अफसरों की हालत तो देखो, ऐसी दुर्दशा होगी ये कभी उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा होगा। जब से प्रदेश में कुत्तों के काटने की घटनाएं बढ़ी है उसके बाद से मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने एक आदेश जारी करके कुत्तों की निगरानी की जिम्मेदारी पांच बड़े आईएएस अफसरों को सौंप दी है कि वे देखें कि इन कुत्तों की जनसंख्या में कैसे कमी आ सकती है, कुत्तों के काटने की घटनाएं कैसे कम हो सकती है, अब बेचारे अपना सारा काम धाम छोड़कर इसी शोध में लगे हैं कि कुत्तों से कैसे निपटा जाए। अभी वे कुत्तों से निपटने की योजना बना ही रहे थे कि एक और आदेश आ गया , तमाम जिलों के कलेक्टर नेशनल हाईवे और मुख्य मार्गो से गायों को हटाए। कलेक्टरों को लग रहा है कि कुत्ते और गाय का आदेश तो आ ही गया है ना कहो अब सांडों को सड़कों से खदेड़ने की जिम्मेदारी भी उन्हीं के कंधों पर सौंप दी जाए। क्या सोचकर आए थे, कितनी मेहनत की थी, आईएएस बनने के लिए, सोचा था जिंदगी भर राज करेंगे लेकिन यहां तो कुत्ता, बिलैया, गैया भगाने की जिम्मेदारी मिल गई है। पता लगा है कि तमाम कलेक्टर गांव के चरवाहों से ट्रेनिंग ले रहे हैं कि इन गायों को कैसे सड़कों से हांका जाए। अपना तो सरकार से एक निवेदन है की मसूरी में जो आईएएस अफसरों की ट्रेनिंग होती है उसमें एक पीरियड कुत्तों, गायों, सांडों को भगाने का भी शामिल किया कर लिया जाए ताकि जब ऐसे आदेश हो तो उन्हें ज्यादा श्रम ना करना पड़ेत

फिर वही रात में रुकने की बात

कई बरस हो गए हमको ये सुनते और पढ़ते, जितने भी सीएम आते हैं वो अपने कलेक्टरों से कहते हैं कि एक रात जरूर गांव में गुजारें ,लेकिन अपने को पता है कि आज तक किसी कलेक्टर ने गांव में रात नहीं गुजारी होगी, और कौन होगा ऐसा जो वहां रात में खटिया में सो कर मच्छरों से कटवाए, सुबह चार बजे मुर्गे की बांग पर उठना पड़ जाएगा, ना पंखा होगा ना एसी होगा। अब प्रदेश के मुखिया ने अफसरों को छोड़कर मंत्रियों को आदेश दे दिया है कि वे जिस जिले के प्रभार में है वहां कम से कम एक रात जरूर गुजारें। अपने को तो आज तक समझ में नहीं आया कि एक रात गुजारने से ऐसा क्या उखड़ने वाला है। अरे भाई दिन गुजरो तो समझ में भी आता है कि अफसर मिल जाएंगे, कर्मचारी मिल जाएंगे, लोग मिलेंगे, समस्याएं सामने आएंगी। रात में ऐसा क्या होने वाला है। जिले में अब यही होगा कि जो मंत्री जी आएंगे बेहतरीन एयर कंडीशन सर्किट हाउस में रात में डिनर लेंगे, सारे जिले के अफसर उनकी सेवा में जुटे रहेंगे ,दस ग्यारह बजे बेहतरीन गद्देदार पलंग में लेट कर निद्रा देवी को आमंत्रित करेंगे और फिर कुछ देर में उनके खर्राटे सर्किट हाउस की दीवारों से टकराने लगेंगे , सुबह उठकर फिर राजधानी की तरफ बढ़ लेंगे कहने को हो जाएगा कि हमने रात उस जिले में कुछ गुजार दी है यानी हर लगे ना फिटकरी रंग चोखा हो पता नहीं है रात गुजारने वाली स्कीम किसने बनाई थी जिसने भी बनाई है उस पर आज तक किसी कलेक्टर ने अमल नहीं किया और अपने को तो लगता है कि जब अफसरों ने सीएम की बात नहीं मानी हो तो फिर मंत्रियों को भला कौन मजबूर कर सकता है कि वे अपने प्रभार वाले जिले में रात गुजारें।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

मैं आपको कैसी लगती हूं श्रीमती जी ने श्रीमान जी से पूछा

बहुत ज्यादा अच्छी श्रीमान जी ने कहा

फिर भी कितनी ज्यादा, ये तो बताओ

इतनी ज्यादा कि लगता है तुम्हारी जैसी दो तीन और ले आऊं श्रीमान जी ने उत्तर दिया।(लेखक- चैतन्य भट्ट/ ईएमएस)

शांति दूत के गाल पर थप्पड़

युद्ध उन्मादी कोई भी हो ,उसे शांति की बात न सुनाई देती है और न पचती है,ये बात साबित हुई है रूस और यूक्रेन के बीच दोबारा से भड़के युद्ध से। भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र दामोदर मोदी ने युद्धरत दोनों देशों को शांति पाठ पढ़ाने की भरसक कोशिश की लेकिन मोदी जी के स्वदेश लौटते ही दोनों देश और ज्यादा खूंखार हो गए । दोनों ने एक-दूसरे पर हमले तेज कर दिए । मुझे ये ताजा हमले शांतिदूत माननीय मोदी जी मुंह पर तमाचे जैसे लगे। अशांत बांग्लादेश ने भी भारत से अपने दो राजनयिक वापस बुलाकर एक तरह से भारत की और माननीय मोदी की ख्वारी कर दी है।

माननीय मोदी जी जब अशांत मणिपुर छोड़कर पोलेंड और अमेरिका तथा यूक्रेन के दौरे पर शांतिदूत बनकर गए थे तो मुझे और पूरी दुनिया को ऐसा लगा था कि मोदी जी अपने राजनीतिक जीवन में शायद पहली बार सही कोशिश कर रहे हैं ,देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के बताये रस्ते पर आगे बढ़ रहे हैं।,लेकिन दुर्भाग्य की हम सब गलत थे । उनकी कोशिश एकतरफा और गलत साबित हुई। उनकी बात न मित्र रूस ने मानी और न मित्र यूक्रेन ने माना । क्योंकि मोदी जी मोदी जी थे,नेहरू जी नहीं। इधर मोदी ने रूस की धरती छोड़ी उधार यूक्रेन ने रूस पर और जबाब में रूस ने यूक्रेन पर ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए। अब सवाल ये है कि माननीय मोदी जी देश को और स्वदेश क क्या मुंह दिखाएँ ? उन्होंने तो इस मामले में एक तरह से अपना पूरा राजनीतिक भविष्य दांव पर लगा दिया था।

मोदी जी के शांति प्रयासों में कोई खोट है, ऐसा न मै कहना चाहता हूँ और न ऐसी मेरी कोई मंशा है । मंशा तो युद्धरत देशों की ठीक नहीं है ,जिसे माननीय मोदी जी शायद समझ नहीं पाए। वे भूल गए कि रूस हो या यूक्रेन अभी अपने ब्रेन से काम ले रहे है। उन्हें पता है कि भारत की मध्यस्थता से दशकों पुरानी दुश्मनी और युद्ध समाप्त नहीं हो सकते। दोनों के बीच संधि का मतलब भारत की जीत और रूस तथा यूक्रेन की हार होगी। और दुनिया में कोई ,किसी से हारना नहीं चाहता। मोदी जी खुद गुड़ खाते हैं और गुलगुलों से नेम करते है। वे रूस और यूक्रेन से संधि करने की बात करते हैं और खुद अपने पड़ौसियों से मैत्री करने में नाकाम हो जाते हैं।

भारत की विदेश नीति में हालाँकि आमूलचूल परिवर्तन नहीं हुए हैं, किन्तु जितना कुछ बदला है उससे भारत का भला होने के बजाय बुरा ही हुआ है। भारत के निकटतम पड़ौसी पाकिस्तान से पिछले एक दशक में हमारे रिश्ते सुधरने के बजाय और ज्यादा खराब हुए है। हमारी बोलचाल तक बंद है। बांग्लादेश में तख्ता पलट के बाद भी भारत का नुक्सान ही हुआ ,क्योंकि बांग्लादेश की काम चलाऊ सरकार ने नाराज होकर भारत से अपने दो राजनयिक वापस बुला लिए । शायद इसकी वजह भारत में बांग्लादेश की निवर्तमान प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना की मौजूदगी है। नेपाल में भारत विरोधी और चीन समर्थक सरकार आ चुकी है।बांग्लादेश ने शेख हसीना के विरुद्ध आधा दर्जन से ज्यादा संगीन अपराधों के मामले दर्ज कर रखे हैं

युद्धरत यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि दूसरा यूक्रेन शांति शिखर सम्मेलन होना ही चाहिए। अच्छा होगा अगर यह ग्लोबल साउथ के देशों में से किसी एक में हो। हम भारत में वैश्विक शांति शिखर सम्मेलन आयोजित कर सकते हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इस बारे में सऊदी अरब, कतर, तुर्किये और स्विटजरलैंड के साथ भी बातचीत चल रही है। दरअसल, पहला शांति शिखर सम्मेलन जून में स्विट्जरलैंड में आयोजित किया गया था, जिसमें 90 से अधिक देशों ने हिस्सा लिया था। हालांकि, तब यह शांति सम्मेलन पूरी तरह से विफल हो गया था। लेकिन यूक्रेन चाहता है की भारत रूस से कच्चा-पक्का तेल मांगना बंद करे। भारत के लिए ऐसा करना मुमकिन नहीं है पेंच यहीं आकर फंस जाता है। काश कि ये शांति सम्मेलन हो पाता। कम से कम भारत को इसका श्रेय भीमिलता और भारत के भीतर की राजनीति में सत्तारूढ़ भाजपा को इसका रजनीतिक लाभ भी हासिल हो जाता।

मुझे लगता है कि भावी प्रबल है।देश के भीतर ही नहीं बाहर भी भारत के यानि भारत की सरकार के सारे पांसे उलटे पड़ रहे हैं। न रूस मान रहा है और न यूक्रेन। न बांग्लादेश मान रहा है और न हमारी नयी स्वप्न सुंदरी यानि भाजपा की सांसद सुश्री कंगना रनौत। कंगना जी ने देशी राजनीती में घुली अदावत को और गहरा कर दिया है किसान आंदोलन के बारे में टिप्पणी करके । हालाँकि भाजपा ने अपने आपको कंगना के बयान से असंबद्ध कर लिया है ,लेकिन भारतवाले इतने मूर्ख भी नहीं हैं जो भाजपा और कंगना के व्यवहार को समझ न पाएं। भला कंगना और भाजपा अलग-अलग हो सकते हैं कभी ? कंगना ने जो रायता बगराया है उसका असर हरियाणा विधानसभा के चुनावों पर भी पड़ सकता है।

मूल मिलाकर बात ये है कि विश्व बंधू ,विश्व गुरु ,शान्तदूत भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी के प्रति मेरा मन शृद्धा से भरा हुया है ,लेकिन उन्हें घर-बाहर से मिल रही तमाम नाकामियों से मै विचलित भी हूँ। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि वो महामना मोदी जी की मदद करे । क्योंकि मोदी नहीं ,तो देश नहीं। आज के समय में वे ही भारत का अतीत,वर्तमान और भविष्य हैं। राहुल-बाहुल कहीं नहीं लगते मोदी जी के सामने।(लेखक-राकेश अचल/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8111

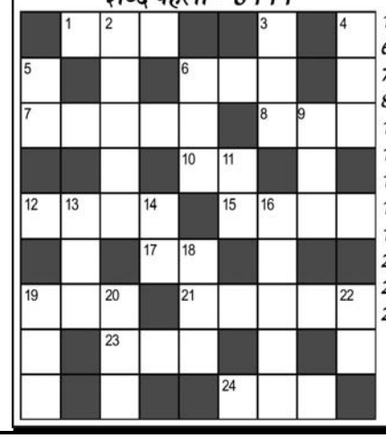

बाएँ से दाएँ

1.सिंह,शेर-3
6.कृषि पैदावार-3
7.कमल सरोवर-5
8.बारीक-3
10.जरा,थोड़ा-2
12.वाराणसी-4
15.टूटना,तड़कना-4
17.शराब,मदिरा-2
19.बुद्धि,मति-3
21.सेवा,,चाकरी,देखभाल-5
23.कर्म,भाग्य-3
24.यज्ञ,होम-3

ऊपर से नीचे

2.आक्रमणकारी-5
3.समा,माहौल-3
4.आर्द्रता,नमी-3
5.चट्टान (अंग्रेजी-2)
6.अंतर,फर्क-3
9.षष्ठीपूर्ति,60 वर्ष पूरे होना-3
11.नशा,खुमार-2
13.नरम,मुलायम-3
14.एक जैसा,समान-2
16.सार-संभाल-2,3
18.अनाथ,बेसहारा-3
19.खालिस,शुद्ध-3
20.फालिज,पक्षाघात-3
22.क्रोध,खीज,गुस्सा-2

शब्द पहेली -8110 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

सिराज और उमरान बाहर,नवदीप सैनी और गौरव शामिल

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने फिट नहीं होने के कारण तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और और उमरान मलिक को दलीप ट्रॉफी से बाहर कर दिया है। इनकी जगह पर युवा तेज गेंदबाज नवदीप सैनी और गौरव यादव को शामिल किया गया है। दलीप ट्रॉफी 5 सितंबर से शुरु होगी। बीसीसीआई ने 27 अगस्त को टीम बी और टीम सी में विकल्प की घोषणा की। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का नाम टीम बी में शामिल किया गया था पर उनकी जगह पर नवदीप सैनी को चुना गया है। वहीं टीम सी से उमरान मलिक को भी बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह पर गौरव यादव को टीम में जगह मिली है। सिराज और उमरान के दलीप ट्रॉफी के शुरुआती मुकाबलों से पहले फिट होने की संभावना नहीं है। इसी वजह से उनको बाहर किया गया है।

अब घरेलू प्रतियोगिताओं में भी मैच और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को मिलेगा पुरस्कार : जय शाह

मुम्बई (ईएममएस)।

शेयर बाजार सपाट पर बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही निवेशकों की बेरुखी से बाजार में सपाट कारोबार हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स केवल 13.65 अंक करीब 0.02 फीसदी बढ़कर 81,711.76 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी मात्र 7.15 अंक तकरीबन 0.03 फीसदी बढ़कर 25,017.75 पर बंद हुआ।

आज वित्तीय क्षेत्रों के शेयरों में उछाल रहा। निफ्टी वित्तीय में आज 0.82 की बढ़त और निफ्टी बैंक में 0.26 की बढ़ोतरी आई। इससे उर्जा और उपभोक्ता क्षेत्रों के शेयरों में गिरावट रही। वहीं व्यापक सूचकांकों की बात करें तो निफ्टी स्मॉलकैप 1.05 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। मीडिया और वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनियां 4.10 फीसदी तक की तेजी के साथ सभी सेक्टोरल इंडेक्स में शीर्ष पर रहीं, जबकि एफएमसीजी, धातु, वाहन और उपभोक्ता उत्पाद निचले स्तर पर बंद हुए।

आज निफ्टी के 31 शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसमें टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर, जेएसडब्लयू स्टील, कोल इंडिया और ग्रासिम जैसे कंपनियां रहीं। वहीं सेंसेक्स के 19 शेयर नुकसान पर बंद हुए। इसमें हिंदुस्तान यूनिलीवर, जेएसडब्लयू स्टील और टाइटन कंपनी के शेयर 2.01 फिसदी तक गिरे।

वहीं सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों की बात करें तो

निफ्टी में बजाज फिनसर्व, एसबीआई लाइफ, मारुति सुजूकी, एचडीएफएल लाइफ और लॉर्सन एंड टुब्रो टॉप परफॉर्मिंग कंपनियां रहीं। जबकि बीएसई पर बजाज फिनसर्व, मारुति सुजूकी, लॉर्सन एंड टुब्रो (एलएंड), बजाज फाइनेंस और इंफोसिसके शेयर ऊपर आये। आईसीआईसीआई बैंक, सनफार्मा, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल और नेस्ले इंडिया रहीं।

शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स .07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,640.15 पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी 50, 25,024 के स्तर खुला। दूनिया भर के बाजारों की बात करें तोएसएंडपी 500 इंडेक्स 0.32 फीसदी गिरकर 5,616.84 अंकों पर बंद हुआ। नैस्डैक 0.85 फीसदी गिरकर 17,725.77 अंकों पर बंद हुआ, जबकि डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.16 फीसदी बढ़कर 41,240.52 अंकों पर पहुंच गया। जापान का निक्केई 225 सूचकांक 0.35 फीसदी की गिरावट पर था, जबकि व्यापक टॉपिक्स सूचकांक स्थिर रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 0.42 फीसदी गिरा, जबकि छोटे कैप का कोस्डाक सूचकांक 1.14 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

सऊदी सरकार के नए नियम जारी

भारतीय पति-पत्नी होटल में नहीं रह सकेंगे साथ

दुबई(ईएमएस)। सऊदी अरब सरकार ने नए नियम जारी किए हैं, जो 2025 के हज से लागू होंगे। हज कमेटी ऑफ इंडिया के मुताबिक भारतीय पति-पत्नी साथ ठहरते हैं तो उनके बीच पर्दा नहीं रहता है। दूसरे देशों के पति पत्नी हज के दौरान पहले से अलग अलग कमरों में ठहरते हैं। सिर्फ भारतीय जोड़े को साथ रहने की छूट इसलिए थी। लेकिन अब हज यात्रा करने वाले भारतीय पति-पत्नी होटल में साथ नहीं ठहर सकेंगे।

भारत से हर साल करीब पौने दो लाख लोग हज के लिए जाते हैं। हज कमेटी, मुंबई के लियाकत अली आफाकी ने बताया कि भारत से जाने वाले ज्यादातर यात्री बुजुर्ग और कम पढ़े-लिखे होते हैं। इसके मद्देनजर सऊदी सरकार ने भारतीय पति-पत्नी को साथ ठहरने की छूट दे रखी थी, जिसे अब खत्म कर दिया गया है। हज कमेटी की गाइडलाइन के मुताबिक अब तक राज्यवार महिला पुरुष हज यात्रियों का ग्रुप बनाकर साथ- साथ ठहराने की व्यवस्था थी।

अब जिलेवार यात्रियों को एक इमारत में ठहराया जाएगा। इमारत के हर फ्लोर पर रिसेप्शन होगा, जहां पति-पत्नी बैठकर बातचीत कर सकेंगे। बुजुर्ग श्रेणी में उम्र की सीमा 70 से घटाकर 65 साल कर दी गई है। इनको एक साथ रखा जाएगा। कमरे आसपास रखने के इंतजाम किए जाएंगे, ताकि जरूरत पड़ने पर मदद कर सकें। अफगानिस्तान में तालिबान ने महिलाओं को लेकर नए कानून लागू कर दिए हैं। महिलाओं को सख्त हिदायत देते हुए उनके घर से बाहर बोलने पर रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही उन्हें सार्वजनिक जगहों पर हमेशा अपने शरीर और चेहरे को मोटे कपड़े से ढकने का आदेश दिया गया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह आईसीसी के नए चेयरमैन होंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह आईसीसी के नए चेयरमैन बन गए हैं। उन्हें निर्विरोध चुना गया है। वह ग्रेग बार्कले की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 नवंबर को खत्म होने जा रहा है। बर्कले ने हाल ही में चेयरमैन पद की रेस से खुद को अलग कर लिया था। 35 वर्षीय शाह एक दिसंबर को कार्यभार संभालेंगे। उन्होंने इतिहास रच दिया है। वह आईसीसी के सबसे कम उम्र के चेयरमैन हैं।

शाह आईसीसी चेयरमैन बनने वाले पांचवें भारतीय हैं। उनसे पहले जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर आईसीसी के बॉस रह चुके हैं। माना जा रहा था कि शाह को आईसीसी बोर्ड के 16 में से 15 सदस्यों का समर्थन प्राप्त था। मंगलवार (27 अगस्त) को चेयरमैन पद के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख थी। आईसीसी चेयरमैन दो-दो साल के तीन कार्यकाल के लिए पात्र होता है और न्यूजीलैंड के बार्कले ने अब तक चार साल पूरे कर लिए हैं।

आईसीसी के नियमों के अनुसार चेयरमैन के चुनाव में 16 वोट होते हैं और विजेता के लिए 9 मत का साधारण बहुमत (51%) आवश्यक है। इससे पहले चेयरमैन बनने के लिए निवर्तमान के पास दो-तिहाई बहुमत होना आवश्यक था। शाह आईसीसी बोर्ड में सबसे प्रभावशाली चेहरों में से एक रहे हैं। वह फिलहाल आईसीसी की शक्तिशाली वित्त और वाणिज्यिक मामलों की उप समिति के प्रमुख हैं। वह 2022 में इस उप समिति के अध्यक्ष बने थे। शाह को अब बीसीसीआई सचिव का पद छोड़ना होगा जिस पर वह 2019 से काबिज हैं। बोर्ड की आमसभा की बैठक अगले महीने या अक्तूबर में होगी।

वर्तमान में बीसीसीआई सचिव के रूप में शाह का एक साल का कार्यकाल बचा है। बीसीसीआई में वापसी के लिए अनिवार्य तीन साल का 'कूलिंग ऑफ पीरियड' शाह के लिए अक्टूबर 2025 में अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद शुरू होगा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुमोदित बीसीसीआई के संविधान के अनुसार कोई पदाधिकारी तीन साल की कूलिंग ऑफ अवधि से पहले छह साल तक पद पर रह सकता है।

कुल मिलाकर कोई व्यक्ति कुल 18 वर्षों तक पद पर रह सकता है - राज्य संघ में नौ और बीसीसीआई में नौ वर्ष। आईसीसी में जाने के बाद शाह के पास बीसीसीआई में चार साल बाकी हैं।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा है कि उनके भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव बनने की जो भी अटकलें लगायी जा रही हैं वे सभी गलत हैं। वहीं इससे पहले कहा गया था कि अगर बीसीसीआई सचिव जय शाह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अगले अध्यक्ष बनते हैं तो उन्हें बोर्ड सचिव की जिम्मेदारी मिल सकती है। आईसीसी में जाने के बाद रोहन के पदभार संभालने की उम्मीद थी जिसे उन्होंने खारिज कर दिया है।

तिरुपति के अस्पताल में मरीज ने किया महिला डॉक्टर पर हमला, सुरक्षा को लेकर विरोध में उतरे छात्र

तिरुपति। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ अस्पताल में हुए दुष्कर्म और हत्या के बाद डॉक्टर्स की नाराजगी जारी है। हड़ताल पर गए डॉक्टर्स सरकार से न्याय के साथ अस्पतालों में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं।

इसी बीच आंद्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एन्श्एए) के कैजुअल्टी वार्ड में एक मरीज द्वारा महिला इंटर्न पर हमला करने का मामला सामने आया है।महिला इंटर्न पर हमला करने की घटना के बाद पद्मावती मेडिकल कॉलेज फॉर विमेन के जूनियर डॉक्टरों और छात्राओं ने घटना के विरोध में विरोध-प्रदर्शन किया। मरीज की पहचान बंगाराजू के रूप में हुई है जो परिवार के साथ तीर्थयात्रा के लिए तिरुमाला आया हुआ था। वह एक मरीज के इलाज के लिए अस्पताल आया था। उसने इसी दौरान मरीज का इलाज कर रही महिला इंटर्न पर हमला कर दिया।

महिला इंटर्न पर हमला करने के बाद पद्मावती मेडिकल कॉलेज फॉर विमेन के जूनियर डॉक्टरों और छात्राओं ने घटना के विरोध में विरोध-प्रदर्शन किया। मरीज की पहचान बंगाराजू के रूप में हुई है। आरोपी बंगाराजू अपने परिवार के साथ तीर्थयात्रा के लिए तिरुमाला आया हुआ था। वह एक मरीज के इलाज के लिए शनिवार को एसवीआईएमएस अस्पताल आया था। इसी दौरान मरीज का इलाज कर रही महिला इंटर्न पर हमला कर दिया।

महिला इंटर्न पर हमला करने का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बंगाराजू डॉक्टर पर साफ हमला करते हुए दिखाई दे रहा है। बता दें कि देश भर के डॉक्टर्स अस्पतालों में अपनी सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार से 'सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट' यानी केंद्रीय संरक्षण अधिनियम की मांग की हैं,

जेलेंस्की से मुलाकातः बाइडन ने पीएम मोदी से फोन पर पूछ ही लिया क्या हुआ?

वाशिंगटन,(ईएमएस)। रूस-यूक्रेन जंग के बीच पीएम मोदी वोलोदिमिर जेलेंस्की को शांति का संदेश देकर वापस आ चुके हैं। पहले पुतिन और फिर जेलेंस्की से मुलाकात कर पीएम मोदी ने यूक्रेन जंग में भारत के स्टैंड को क्लियर कर दिया है। पीएम मोदी ने यूक्रेन और रूस दोनों से साफ कह दिया है कि जंग से किसी का भला नहीं होगा। शांति और बातचीत ही एक मात्र रास्ता है। पूरी दुनिया जानना चाहती है कि आखिर पीएम मोदी और जेलेंस्की के बीच मुलाकात में क्या हुआ? यूक्रेन की राजधानी कीव में पीएम मोदी और व्लादिमीर जेलेंस्की के बीच क्या-क्या बात हुई, यह जानने को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भी काफी बेताब थे। जैसे ही पीएम मोदी दिल्ली लौटे, जो बाइडन ने फोन मिला दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ फोन पर हुई बातचीत में अपनी हालिया यूक्रेन यात्रा सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बाइडन के साथ फोन कॉल पर प्रधानमंत्री मोदी ने दोहराया कि भारत क्षेत्र में यथाशीघ्र शांति और स्थिरता लाने के लिए पूरा सहयोग करेगा। साथ ही बताया कि उनके बीच क्या-क्या बात हुई।

पीएम मोदी ने अपनी यात्रा के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से कहा था कि यूक्रेन और रूस को युद्ध खत्म करने के लिए साथ बैठना चाहिए और भारत शांति बहाल करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है। पीएम मोदी ने जो बाइडन को यह बात भी बताई है। पीएम मोदी ने बांग्लादेश के मुद्दे पर भी जो बाइडन के साथ बातचीत की है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने और बाइडन ने बांग्लादेश के हालात पर भी चर्चा की और सामान्य स्थिति की शीघ्र बहाली और अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आज फोन पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से बात हुई। हमने यूक्रेन के हालात समेत विभिन्न क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। मैंने शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए भारत की ओर से पूर्ण समर्थन की बात दोहराई। उन्होंने कहा, 'हमने बांग्लादेश के हालात पर भी चर्चा की और सामान्य स्थिति की शीघ्र बहाली तथा बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।' बांग्ला देश में जारी राजनीतिक घटनाक्रम के बाद, भारत लगातार पड़ोसी देश में अल्प संख्यकों,विशेषकर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दे रहा है।वहीं, पीएम मोदी ने यूक्रेन की स्थिति पर भी जो बाइडन संग चर्चा की। पीएम मोदी नेजोबाइडनसेरूस-यूक्रेन जंग पर बातचीत और कूटनीति के पक्ष में भारत की सतत स्थिति के बारे में बात की और शांति व स्थिरता की जल्द बहाली के लिए पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। बता दें कि पीएम मोदी जब पोलैंड से सीधे यूक्रेन पहुंचे थे,तोजेलेंस्की नेगले लगकर उनका स्वागत किया था। साथ ही जेलेंस्की ने पीएम मोदी से कहा कि वह भारत द्वारा दूसरे पीस समिट की मेजबानी का समर्थन करेंगे।

कायर निकला हिजबुल्लाह.....स्कूल-मस्जिदों को बना रहा ढाल,-इजरायली सेना का दावा

तेलअवीव (ईएमएस)। इजरायल के खिलाफ करीब 300 रॉकेट-मिसाइल से हमला करने वाले हिजबुल्लाह की पोल खुल गई है। हिजबुल्लाह स्कूल-मस्जिदों को अपनी ढाल बना रहा है। इजरायल पर हिजबुल्लाह ने जितने भी अटैक किए, वे सभी रॉकेट-मिसाइल स्कूल-मस्जिद और रिहायशी इलाकों से दागे गए थे। इजरायली सेना की ओर से कहा गया है कि इजरायल पर हिजबुल्लाह की ओर से दागे गए 90 फीसदी राकेट-मिसाइल और ड्रोन लेबनान के रिहायशी इलाकों से दागे गए थे।

आईडीएफ ने कहा कि हिजबुल्लाह ने कुल 230 रॉकेट-मिसाइल और 20 ड्रोन नॉर्दर्न और सेंट्रल इजरायल पर दागे थेइसमें से अधिकतर हमले रिहायशी इलाकों जैसे कि मस्जिद, स्कूल यूएन साइट और अन्य साइट से दागे गए थे।

दरअसल, इजरायल शुरू से आरोप लगाता रहा है कि हिजबुल्लाह लेबनानी नागरिकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल करता है। वह आबादी के बीच अपनी आतंकवादी ठिकाने रखता है। हिजबुल्लाह ने जो रॉकेट दागे थे, उनमें से 90 प्रतिशत रॉकेट रिहायशी इलाकों से दागे गए थे। ये इलाके मस्जिदों, स्कूलों, संयुक्त राष्ट्र के ठिकानों जैसे नागरिक सुविधाओं के पास थे। इजरायल ने इसके सबूत में कुछ मैप भी जारी किए हैं।

बता दें कि इजरायल सहित पश्चिम के कई देश हिजबुल्लाह को आतंकी संगठन मानते हैं। हिजबुल्लाह को ईरान का फुल सपोर्ट मिलता है। या यूं कहें कि हिजबुल्लाह का आका ईरान ही है, जो हिजबुल्लाह को दाना-पानी देता है।

सोना-चांदी के भावों में आई गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने-चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव मंगलवार को गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,800 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 85,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 141 रुपये की गिरावट के साथ 71,898 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 239 रुपये की गिरावट के साथ 71,800 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 350 रुपये की गिरावट के साथ 85,350 रुपये पर खुला। इस समय यह 247 रुपये की गिरावट के साथ 85,421 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,553.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,555.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 11.90 डॉलर की गिरावट के साथ 2,543.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.91 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30 डॉलर था। इस समय यह 0.10 डॉलर की गिरावट के साथ 29.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सरकारी नीतियों की निरंतरता से उद्योग को मिलेगी उच्च वृद्धि

- मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन भार्गव ने की सरकार की तारीफ

नई दिल्ली,(ईएमएस)। मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर सी भार्गव ने कहा कि भारत ने आर्थिक वृद्धि और लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था के बीच विरोधाभास को गलत साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार और नीतियों की निरंतरता से उद्योग को लगातार उच्च वृद्धि पर यकीन है। भार्गव ने कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों से कहा कि भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं इसे एक सतत और समतापूर्ण समाज की ओर ले जाएंगी। उद्योग और सरकार 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में लोगों को यह कहते सुना है कि तेज आर्थिक वृद्धि और लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था के बीच कोई मेल नहीं हैं। भार्गव ने कहा कि आज हम दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं और हमारे पीएम मोदी सबसे सम्मानित वैश्विक नेताओं में से एक हैं। उन्होंने कहा कि समय-समय पर दुनिया ने देखा है कि हम लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति कितने प्रतिबद्ध हैं।

हाल ही संपन्न हुए लोकसभा चुनावों का जिक्र करते हुए भार्गव ने कहा कि इस चुनाव ने फिर दिखा दिया कि करोड़ों लोग शांतिपूर्ण तरीके से वोटिंग कर सकते हैं और उस प्रक्रिया के परिणामों को स्वीकार कर सकते हैं। भार्गव ने माना कि समान और तीव्र आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए नीतियों और रणनीतियों को स्थिर होने में कुछ समय लगा है। उन्होंने आगे कहा लेकिन हमने शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के जरिए सही रास्ता खोज लिया है। यह दुनिया के कई हिस्सों और हमारे पड़ोस में जो हमने देखा है, उसके बिल्कुल अलग है।

टेक्सास में हनुमानजी की मूर्ति का स्थानीय संगठन कर रहा विरोध

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका का टेक्सास में हाल ही में बनी हनुमानजी की मूर्ति का कुछ स्थानीय संगठन विरोध कर रहे हैं। स्थानीय चर्च समूह के कुछ लोग मंदिर में घुसे और मूर्ति बनाए जाने पर हंगामा किया। करीब 25 लोगों ने मंदिर परिसर में ना सिर्फ नारेबाजी की बल्कि यहां मौजूद लोगों को भी परेशान किया। मीडिया के मुताबिक, ये लोग उसी चर्च के थे, जिनके नेता ने भी मूर्ति लगाए जाने का विरोध किया था। ये लोग मूर्ति के पास जमा होकर अपनी पूजा करने लगे। मंदिर प्रशासन ने जब पुलिस को बुलाने की धमकी दी, तब ये लोग गए। टेक्सास के शुगर लैंड का हिंदू समुदाय श्री अष्टलक्ष्मी मंदिर में ज्ञान, शक्ति, साहस और भक्ति के देवता हनुमान की 90 फुट ऊंची नई विशाल मूर्ति के बनने का जश्न मना रहा है। एक ओर हिंदू समुदाय यहां दर्शन के लिए उमड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर कुछ स्थानीय रूढ़िवादी समूहों को ये पसंद नहीं आ रहा है।

अष्टलक्ष्मी मंदिर में हनुमानजी की ये मूर्ति 80 लाख डॉलर की लागत से बनकर तैयार हुई है। मंदिर के संयुक्त सचिव डॉ.रंगनाथ कंडाला ने कहा, शुरुआत में हमें लगा कि ये लोग मूर्ति दो देखने के लिए आया है क्योंकि उन्होंने इसके बारे में इंटरनेट पर पढ़ा होगा। इस ग्रुप ने यहां प्रार्थना करते हुए मूर्ति के चारों ओर चक्कर लगाने शुरू कर दिए।

इसके बाद कुछ प्रदर्शनकारी चले गए और कुछ मंदिर में लोगों से पूछने लगे कि क्या वे यीशु मसीह के बारे में जानते हैं। ये लोगों को रोककर इस बात पर जोर देने लगे कि यीशु ही एकमात्र भगवान हैं। ग्रुप के कुछ लोगों ने बच्चों और मंदिर में दूसरे लोगों से कहा कि इनकी पूजा ना करें, ये झूठे देवता जलकर भस्म हो जाएंगे। इससे तनाव की स्थिति पैदा हो गई। कुछ लोग कंडाला से बहस करने लगे। इस पर कंडाला ने पुलिस बुलाने की धमकी दी तब ये समूह वहां से चला गया।

बलोच विद्रोहियों ने मचा दी खलबली,14 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए,अबतक 73की मौत

इस्लामाबाद(ईएमएस)।पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बलोच विद्रोहियों ने बड़े हमले को अंजाम दिया है। इस हमले में 24 घंटे के अंदर पुलिस स्टेशन, रेलवे लाइन और नेशनल हाईवे को निशाना बनाया गया, जिसमें सैनिकों सहित 73 लोगों की मौत हो गई है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने इसे ऑपरेशन डार्क विंडी स्टोर्म नाम दिया है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी बंदरगाह जिले ग्वादर में एक महिला सहित चार आत्मघाती हमलावरों ने अटैक किया। पाकिस्तानी अधिकारी अभी इस पर कुछ बोलने से बच रहे हैं। बता दें कि बीएलए पाकिस्तान की सरकार से लड़ने वाला सबसे बड़ा विद्रोही गुट है। बीएलए के विद्रोहियों का आरोप है कि पाकिस्तान की सरकार बलूचिस्तान में गैस और खनिज संसाधनों का अनुचित तरीके से दोहन करती है। इसके कारण राज्य में गरीबी है। बीएलए चीन को बाहर निकालना और बलूचिस्तान की आजादी चाहता है।

हालांकि, बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री ने कहा है कि हमले में 3 लोग मारे गए हैं। यह हमला विद्रोह से जूझ रहे बलूचिस्तान के अंदर पिछले कई दशकों में हुए सबसे बड़े अटैक में शामिल हो गया है। पाकिस्तान की सेना ने बताया कि हमलों के बाद मुठभेड़ में 14 सैनिकों की मौत हुई है।

इस हमले में बीएलए के 21 विद्रोही भी मारे गए हैं। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री के मुताबिक 38 आम नागरिकों की जान गई है। इन लोगों में से 23 नेशनल हाईवे में हुए अटैक में मारे गए, जब हथियारबंद लोगों ने यात्रियों की पहचान करके उन्हें गोलियां मारीं।बता दें कि हमलावरों ने नेशनल हाईवे पर हमले के दौरान यात्रियों को बसों से उतारकर गोलियों से भून दिया। फायरिंग की यह वारदात बलूचिस्तान के मुसाखाइल जिले में हुई। हथियारबंद हमलावरों ने ट्रकों और बसों से यात्रियों को उतारा और पाकिस्तानी पंजाब के लोगों को चिह्नित करके उन्हें गोली मारी।

मुसाखाइल के असिस्टेंट कमिश्नर नजीब काकर के मुताबिक हथियारबंद हमलावर राराशम इलाके में इंटर-स्टेट हाईवे पर पहुंचे और सड़क जाम कर दी। इसके बाद उन्होंने बसों और ट्रकों को रोककर यात्रियों की पहचान करना शुरू कर दिया। हमलावरों ने पंजाब के यात्रियों को आइडेंटिफाई किया और चुन-चुनकर गोली मारकर हत्या कर दी।

दूरसंचार कंपनियों की तरह नियमों का पालन करें सभी संचार सेवा प्रदाताः सीओएआई

मुंबई (ईएमएस)। उद्योग निकाय सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने कहा कि देश की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस संबंध में ओटीटी-आधारित संचार सेवाओं सहित सभी संचार सेवा प्रदाताओं को देश के अपेक्षित निर्देशों का पालन करना चाहिए, जैसा कि दूरसंचार सेवा प्रदाता करते हैं। उम्मीद है कि व्हाट्सएप, गूगल मीट और टेलीग्राम जैसे इंटरनेट कॉलिंग और मैसेजिंग ऐप नियमों का बाकी सभी सेवा प्रदाताओं की ही तरह पालन करेंगे। सीओएआई ने कहा कि ओवर-द-टॉप (ओटीटी) संचार ऐप को दूरसंचार अधिनियम, 2023 से बाहर करने की मांग करना भ्रामक है क्योंकि विभिन्न गैर-क्षेत्रीय नियमों के दूरसंचार कंपनियों पर भी लागू होने से वे अन्य नियमों के दायरे में आते हैं।

सीओएआई के सदस्यों में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया शामिल हैं। सीओएआई के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि दूरसंचार कंपनियों ने वैध इंटरसेप्शन (कॉल को सुनने की कानूनी मंजूरी) और निगरानी के लिए बुनियादी ढांचे की स्थापना में भारी निवेश किया है। इसके बावजूद अनियमित अनुप्रयोग-आधारित संचार सेवाएं इस तंत्र को पूरी तरह से दरकिनार कर देती हैं, जो देश की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। मामला दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत स्पष्ट रूप से कवर की गई संचार सेवाओं की नियामकीय निगरानी से संबंधित है। यह उजागर करना महत्वपूर्ण है कि टीएसपी, जो दूरसंचार अधिनियम द्वारा शासित हैं, संसद द्वारा निर्धारित उपरोक्त सभी कानूनों द्वारा विनियमित हैं। दूरसंचार कंपनियां मांग कर रही हैं कि सरकार को कॉलिंग और मैसेजिंग ऐप पर समान नियम लागू करके समान हालात पैदा करने चाहिए क्योंकि यह उन पर लागू है।

सरकार मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर लगा सकती है प्रतिबंध

नई दिल्ली (ईएमएस)। मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल, भारत सरकार क्रिमिनल एक्टिविटीज को लेकर टेलीग्राम की जांच कर रही है। इनमें जबरन वसूली और जुआ जैसे मामले शामिल हैं। एक सरकारी अधिकारी के मुताबिक जांच के नतीजों में अगर इन मामलों की पुष्टि होती है तो सरकार इस मैसेजिंग ऐप पर रोक लगा सकती है। कंपनी के 39 साल के फाउंडर और सीईओ पावेल डुरोव की 24 अगस्त को पेरिस में गिरफ्तारी के बाद यह मामला सामने आया है। उन्हें ऐप की मॉडेरेशन पॉलिसी को लेकर गिरफ्तार किया गया है। खबरों के मुताबिक उन्हें ऐप पर क्रिमिनल एक्टिविटीज को रोकने में नाकाम रहने पर हिरासत में लिया गया। सरकारी अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया ?कि इंडियन साइबरक्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर और मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी टेलीग्राम पर पी2पी कम्युनिकेशन की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जांच में जबरन वसूली और जुआ जैसी क्रिमिनल एक्टिविटीज पर खास नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी सामने आएगा, उसके आधार पर फैसला लिया जाएगा। टेलीग्राम के भारत में 50 लाख रजिस्टर्ड यूजर्स हैं।

रूस से लगातार जंग के चलते यूक्रेन बना यूरोप का सबसे गरीब देश, काम धंधे सभी ठप

कीव,(ईएमएस)। रूस-यूक्रेन के बीच जंग जारी है। इस लड़ाई ने यूक्रेन को काफी नुकसान पहुंचाया है। काम ठप हो गए हैं लाखों लोग रोजी-रोटी के संकट से जूझ रहे हैं। लोगों को खाने-पीने के लिए घंटों लाइन में खड़ा होना पड़ता है। इस लड़ाई ने लाखों लोगों को गरीबी में धकेल दिया है। हालत यह है कि यूक्रेन यूरोप का सबसे गरीब देश बन गया है।

मीडिया रिपोर्ट में आईएमएफ के मुताबिक यूक्रेन की प्रति व्यक्ति आय 4,500 डॉलर पर आ गई है। मोल्दोवा की भी यही स्थिति है। ये दोनों देश यूरोप के सबसे गरीब देशों की लिस्ट में सबसे ऊपर हैं। यूरोप के सबसे गरीब देशों की लिस्ट में कोसोवो तीसरे नंबर पर है। वहां की जीडीपी पर कैपिटा 4,700 डॉलर है। इसके बाद आर्मेनिया, अल्बानिया, नॉर्थ मैसेडोनिया, जॉर्जिया, बोस्निया एंड हर्जेगोविना, सर्बिया और मोंटेनेग्रो का नंबर आता है। इन देशों की जीडीपी पर कैपिटा 5,300 डॉलर से आठ हजार डॉलर के बीच है। इस सूची में तुर्की 12,500 डॉलर 15वें और रूस 13,500 डॉलर जीडीपी पर कैपिटा के साथ 16वें नंबर पर हैं। आर्थिक बदहाली से जूझ रहा ग्रीस 17वें नंबर पर है। ग्रीस की जीडीपी पर कैपिटा 14,800 डॉलर है। हंगरी, क्रोएशिया और पुर्तगाल भी गरीब देशों की सूची में शामिल हैं।

सबसे ज्यादा अमीर देशों में वेटिकन सिटी सबसे आगे है। उसकी जीडीपी पर कैपिटा63हजार डॉलर है। इसके बाद सैन मरीनो,अंडोरा,मोनैको,लिचेंस्टीन, स्विट्जरलैंड, लक्जमबर्ग, आइसलैंड, नॉर्वे, फिनलैंडऔर डेनमार्क कानंबर है। इन देशों की जीडीपी पर कैपिटा 61,200 डॉलर से 48 हजार डॉलर के बीच है। स्वीडन, आयरलैंड,ीदरलैंड,ऑस्ट्रिया,यूके, जर्मनी, बेल्जियम, फ्रांस, माल्टा, साइप्रस, इटली, स्पेन,चेक गणराज्य स्लोवेनिया, एस्तोनिया,लात्विया, लिथुआनिया, पोलैंड और स्लोवाकिया में जीडीपी पर कैपिटा 45,600 डॉलर से 19,500 डॉलर है।

भारत और चीन दोनों ने श्रीलंका के बंदरगाह पर साथ खड़े कर दिए युद्धपोत

कोलंबो (ईएमएस)। हिंद महासागर क्षेत्र अब चीन और भारत का नया रणनीतिक अखाड़ा बनता नजर आ रहा है। इसका एक उदाहरण सोमवार को देखने को मिला, जब एक भारतीय युद्धपोत श्रीलंका के कोलंबो में बंदरगाह पर पहुंचा और संयोग से तब चीन के तीन युद्धपोत भी पहुंच गए। खास बात है कि पहले भी भारत श्रीलंका में चीनी युद्धपोत, जासूसी नौकाएं और पनडुब्बियों के ठहरने पर कोलंबो के सामने अपनी आपत्ति दर्ज करा चुका है।

भारतीय उच्चायोग ने रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा था कि आईएनएस मुंबई 163 मीटर लंबा विध्वंसक पोत है जिस पर 410 सदस्यों का चालक दल सवार है। उच्चायोग ने कहा कि यह जहाज श्रीलंका के किसी बंदरगाह पर पहली बार आया है। इस बीच, श्रीलंका नौसेना ने कहा कि चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की नौसेना के तीन युद्धपोत हे फेई, वुझिशान और किलियानशान भी सोमवार सुबह औपचारिक यात्रा पर कोलंबो बंदरगाह पहुंचे। हे फ

वडोदरा में विश्वामित्री के कारण 2019 से भी बदतर बाढ़, महंगी कारें डूबीं, सड़कों पर मगरमच्छ दिखे

वडोदरा,27 अगस्त

राज्य में पिछले दो दिनों से मेघराजा ने विस्फोटक बल्लेबाजी कर राज्य भर में जल-बमबारी की स्थिति पैदा कर दी है. वडोदरा के पादरा और वडोदरा तालुका, पंचमहल के गोधरा और मोरबी के वांकानेर तालुका में लगभग 12 इंच बारिश दर्ज की गई है।

गौरतलब है कि साल 2019 में वडोदरा शहर में 19 इंच भारी बारिश हुई थी, भारी बारिश और अजवा झील से विश्वामित्री नदी में छोड़े गए पानी के कारण वडोदरा शहर में विनाशकारी बाढ़ आ गई थी. . भारी बारिश और विश्वामित्री नदी में बाढ़ के कारण शहर की कई सोसायटियों में पानी भर गया जो दो से तीन दिनों तक नहीं उतरा. नागरिकों को घरेलू सामान सहित करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ।

विनाशकारी बाढ़ को बमुश्किल पांच साल हुए हैं और इस साल फिर से भारी बारिश और बाढ़ ने शहर को तबाह कर दिया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस वर्ष केवल 12 इंच बारिश के कारण लोगों के घरों में 2019 में हुई 19 इंच बारिश की तुलना में अधिक पानी घुस गया है, जो विश्वामित्री नदी की बाढ़ में नदी तटों और समाजों में प्रवेश नहीं कर पाया था। विश्वामित्री नदी में बाढ़ का पानी 2019 की बाढ़ से भी ज्यादा है. सोसायटी के घरों में पिछली बाढ़ की तुलना में दो फीट से ज्यादा पानी भर गया है। सोसायटी के लोग भी कह रहे थे कि उन्होंने पिछले 30 साल में ऐसी बाढ़ नहीं देखी है.

विश्वामित्री नदी बड़ी संख्या में मगरमच्छों का घर है। जब भी भारी बारिश के कारण नदी का पानी शहर में प्रवेश करता है. फिर शहर की सड़कों पर मगरमच्छ नजर आते हैं. फिलहाल फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा मगरमच्छों के बीच रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. हरणी, मोटनाथ महादेव के आसपास सैकड़ों सोसायटी और अपार्टमेंट पानी में विश्वामित्री नदी के उफान पर आने के बाद वडोदरा शहर के हरणी इलाके में मोटनाथ महादेव के आसपास की सैकड़ों सोसायटी और अपार्टमेंट में पानी भर गया है, यहां के हजारों निवासियों के पास पानी कम होने तक इंतजार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मोटनाथ महादेव के आसपास की सोसायटियों और अपार्टमेंटों के निवासियों के वाहन भी पानी में डूब गए हैं और वे अपने घरों में नजरबंद हो गए हैं। जैसे-जैसे बाढ़ जैसे हालात बन रहे हैं, वायरल वीडियो में इसके वीभत्स दृश्य भी सामने आ रहे हैं.

कुछ लोगों ने उन्हें बचाने के लिए अपनी महंगी कारें सड़क पर लगा दी थीं लेकिन बाढ़ का पानी वहां भी कम हो गया है. इस इलाके से रेस्क्यू के लिए फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ को भी कई कॉल आई हैं. एक स्थानीय निवासी ने बताया कि इलाके में इतना पानी बह रहा है कि शक्तिशाली नावों को छोड़कर एनडीआरएफ की मदद ली जा रही है. यहां तक कि फायर ब्रिगेड कर्मी भी बचाव नहीं कर पाते।

पिछले 24 घंटों में भारी बारिश के कारण वडोदरा शहर पानी-पानी हो गया है. दोनों किनारों पर विश्वामित्री नदी बह रही है, जबकि विश्वामित्री नदी का जलस्तर 35 फीट के करीब पहुंचने के कारण शहर के 10 पुल बंद कर दिए गए हैं. जिसमें विश्वामित्री ब्रिज, अकोटा डांडिया बाजार ब्रिज, सामा सावली ब्रिज, सामा हरणी ब्रिज, मंगल पांडे ब्रिज, अटलादारा मांजलपुर ब्रिज, मुज मोहुडा ब्रिज समेत कई ब्रिज बंद कर दिए गए हैं. फायर ब्रिगेड और बचाव दल ने बचाव कार्य शुरू कर दिया है। अब तक 3500 लोगों को निकाला जा चुका है. एमएस यूनिवर्सिटी के गर्ल्स और बॉयज हॉस्टल में विश्वामित्री बाढ़ के पानी से 3000 से ज्यादा छात्रों की हालत खस्ता हो गई है.

जानकारी के मुताबिक विश्वामित्री का जलस्तर बढ़ने के बाद बाढ़ का पानी फतेगंज और प्रतापगंज इलाके में भी घुस गया है, इसी इलाके में बॉयज हॉस्टल और गर्ल्स हॉस्टल हैं. हॉस्टल में करीब 5000 छात्र रहते हैं. इनमें से कुछ लोग जन्माष्टमी की छुट्टियों के चलते घर जा रहे थे। हालांकि, फिलहाल हॉस्टल में 3000 से ज्यादा छात्र हैं. छात्रावास परिसर में बाढ़ का पानी घुसने से वे कैद की स्थिति में हैं. भोजन तैयार किया जाता है और छात्रावास के मेस में छात्रों को वितरित किया जाता है। बाढ़ की स्थिति के कारण गर्ल्स हॉस्टल के सभी गेट बंद कर दिए गए हैं। बाढ़ का पानी घुस जाने के कारण छात्रों का आना-जाना भी बंद हो गया है.

वडोदरा शहर बारिश और विश्वामित्री बाढ़ से तबाह हो गया है। वडोदरा के कई इलाके ऐसे हैं जो जलभराव के कारण शहर के बाकी हिस्सों से कट गए हैं. वडोदरा के स्टेशन इलाके में भी यही स्थिति है. इसके चलते हजारों लोग रेलवे स्टेशन और एसटी डिपो पर भी फंसे हुए हैं. जानकारी के मुताबिक उपनगरों से लोग ट्रेन या बस से रेलवे स्टेशन और एसटी डिपो आए थे, लेकिन अब उनके लिए अपने घरों तक पहुंचना संभव नहीं है, क्योंकि स्टेशन क्षेत्र के दो नाले कल से बंद हैं. वहीं, विश्वामित्री में बाढ़ के कारण अन्य इलाकों की ओर जाने वाले सभी पुल भी बंद कर दिए गए हैं.

रेलवे स्टेशनों और एसटी डिपो में फंसे यात्रियों की भी शिकायतें सामने आई हैं कि रिक्शा चालकों ने उन्हें घर तक पहुंचाने के लिए 1000 रुपये किराया मांगा है. वडोदरा में एक ही शाम में तेरह ट्रेन खराब होने की स्थिति के कारण सिस्टम फंसे हुए यात्रियों को उनके घर तक पहुंचाने की कोई व्यवस्था नहीं कर पाया है। मुख्य अभियंता एम. ने बताया कि मध्य गुजरात में पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण चार जिलों के 569 गांवों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है. टी। संगड़ा ने कहा. मध्य गुजरात पावर कंपनी के कर्मचारी इन सभी गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं। भारी बारिश के कारण सब स्टेशन में पानी भरने और बिजली पोल गिरने से यह स्थिति उत्पन्न हुई है.

उन्होंने कहा कि कुल 569 गांवों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिनमें पंचमहल जिले के 288, खेड़ा के 88, आनंद के 41 और वडोदरा जिले के 152 गांव शामिल हैं. उन्होंने कहा कि एमजीवीसीएल की 536 टीमों में 1706 कर्मचारी इन सभी गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं।

सामा सावली रोड पर केंद्रीय विद्यालय के शिक्षक और फंसे हुए उनके परिवार के 20 लोग मदद की गुहार लगा रहे हैं

वड़ोदरा,27 अगस्त

शहर के सामा सावली रोड पर केंद्रीय विद्यालय-2 के शिक्षक और उनके परिवार के 20 सदस्य वड़ोदरा में विश्वामित्री के बाढ़ के पानी के बीच स्कूल क्वार्टर में फंस गए।

जानकारी के मुताबिक, विश्वामित्री के बाढ़ के पानी से सामा-सावली रोड क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित है. यहां का केंद्रीय विद्यालय कल से बंद है लेकिन स्कूल के कुछ शिक्षक स्कूल परिसर में स्थित स्कूल क्वार्टर में रह रहे हैं.

ऐसे शिक्षक और उनके परिवार समेत 20 लोग यहां फंसे हुए हैं. इनमें से एक शिक्षक रितिका प्रेमचंद ने कहा कि हमारे घर के बाहर भी छह से सात फीट पानी है.

उन्होंने कहा, सुबह से हमने कई बार फोन किया और अलग-अलग जगहों से मदद मांगी लेकिन दोपहर तक हमें मदद नहीं मिली, जिस तरह से पानी का स्तर बढ़ रहा है, उसे देखते हुए अगर जल्द ही मदद नहीं मिली तो हमारी परेशानी बढ़ सकती है. एनडीआरएफ की नाव भी हमारे सामने से गुजरी. हमने चिल्लाया भी लेकिन उनकी नाव नहीं रुकी.

एमएस यूनिवर्सिटी के छात्रावास परिसर में बाढ़ का पानी घुसने से 3000 से अधिक लड़के और लड़कियां फंस गए

वड़ोदरा,27 अगस्त

बाढ़ के पानी में डूबी एमएस : एमएस यूनिवर्सिटी के गर्ल्स और बॉयज हॉस्टल में विश्वामित्री बाढ़ के पानी से 3000 से ज्यादा छात्रों की स्थिति गंभीर हो गई है.

जानकारी के मुताबिक विश्वामित्री का जलस्तर बढ़ने के बाद फतेगंज और प्रतापगंज इलाके में बाढ़ का पानी घुस गया है. बॉयज हॉस्टल और गर्ल्स हॉस्टल एक ही इलाके में हैं. हॉस्टल में करीब 5000 छात्र रहते हैं.

हालांकि, हॉस्टल परिसर में बाढ़ का पानी घुसने के बाद अब हॉस्टल में 3000 से ज्यादा छात्र कैद की स्थिति में हैं. हॉस्टल मेस में छात्रों के लिए भोजन तैयार कर दिया गया है और बाढ़ की स्थिति के कारण गर्ल्स हॉस्टल के सभी गेट बंद कर दिए गए हैं. बाढ़ का पानी घुस जाने के कारण छात्रों का आना-जाना भी बंद हो गया है.

सूरत में तापी नदी का रौद्र रूप: उकाई से लगातार पानी छोड़े जाने से कॉजवे 10 मीटर तक बह गया

सूरत, 27 अगस्त

सूरत समेत गुजरात में रेड अलर्ट के साथ बारिश हो रही है और उकाई के ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण पानी छोड़ा जा रहा है. उकाई बांध से पानी छोड़े जाने के कारण सूरत में तापी नदी ने रौद्र रूप धारण कर लिया है. जिसके कारण सूरत का कॉजवे 10 मीटर से अधिक पानी में डूबकर सतह से बह रहा है। तापी नदी में छोड़े गए पानी के कारण तापी नदी के किनारे बने पैदल मार्ग पर भी पानी घुस गया. नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें.

उकाई बांध के जलग्रहण क्षेत्र में जलजमाव के कारण बांध अधिकारियों द्वारा पानी छोड़ा जा रहा है। इसके चलते सूरत से गुजरने वाली तापी नदी उग्र हो गई है और कॉजवे 10 मीटर से ज्यादा ऊपर बह रहा है और तापी नदी के किनारे बने वॉकवे में पानी घुस गया है. सूरत में तापी नदी के सभी किनारों के करीब पानी आ गया है. नगर पालिका ने लोगों को प्रवेश करने से रोकने के लिए डोंगी ओवरस सहित कुछ ओवर्स पर बैरिकेडिंग कर दी है।

लगातार पानी छोड़ रहे नगर निगम तंत्र ने स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन को सतर्कता के तहत अलर्ट रहने के स्पष्ट निर्देश दिये हैं. तापीमा में पानी छोड़े जाने से जो तीन जोन प्रभावित हो सकते हैं, उन्हें रांदेर, कटारगाम और सेंट्रल जोन के अधिकारियों द्वारा निगरानी जारी रखने का भी निर्देश दिया गया है। सूरत नगर निगम के कंट्रोल रूम को भी अलर्ट कर दिया गया है. संभावित बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए तापी नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में स्थित प्रभावित क्षेत्रों को पहले से सूचित किया जाएगा। इतना कहकर अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है.

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य में भारी वर्षा से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की

प्रभावित क्षेत्रों में सेना की 6 टुकड़ियाँ, एनडीआरएफ की 14 तथा एसडीआरएफ की 22 टीमें भी राहत एवं बचाव कार्यों में जुटीं

गांधीनगर 27 अगस्त

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने समग्र राज्य में भारी वर्षा के कारण उत्पन्न स्थिति में प्रशासन द्वारा किए जा रहे कामकाज तथा राहत-बचाव के कदमों की समीक्षा के लिए मंगलवार को गांधीनगर स्थित स्टेट इमर्जेंसी ऑपरेशन सेंटर (एसईओसी) से वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की। पटेल ने जिला कलेक्टरों तथा महानगर पालिका आयुक्तों से उनके द्वारा त्वरित कार्यवाही कर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किए जाने, रेस्क्यू, जीवन आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की उपलब्धि की व्यवस्था तथा राहत रसोई व्यवस्था आदि किए जाने का गहन विवरण प्राप्त किया।

एसईओसी में इस बैठक में मुख्यमंत्री के साथ मुख्य के अपर मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, श्री एम. के. दास तथा राजस्व, ऊर्जा, स्वास्थ्य, जलापूर्ति, सड़क एवं भवन आदि संबंधित विभागों के वरिष्ठ भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री द्वारा की गई इस समीक्षा बैठक में बताया गया कि समग्र राज्य में 27 अगस्त मंगलवार सुबह 10 बजे तक मौसम की कुल 99.66 प्रतिशत वर्षा हुई। इसमे कच्छ अंचल में औसत 116.79 प्रतिशत, उत्तर गुजरात अंचल में 79.99 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 101.52 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात में 108.20 प्रतिशत तथा मध्य गुजरात में 98.74 प्रतिशत वर्षा दर्ज हुई है।

इससे पूर्व;पिछले 24 घण्टों में राज्य के 33 जिलों में 251 तहसीलों में वर्षा हुई है, जिसमें सर्वाधिक 347 मिलीमीटर वर्षा मोरबी जिले की टंकारा तहसील में हुई। पिछले 24 घण्टों में औसत 94.20 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। मंगलवार सुबह 6 से 10 बजे तक राजकोट तहसील में सर्वाधिक 142 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड हुई है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भारी वर्षा के फलस्वरूप राज्य में 15 नदियों, 21 तालाबों व जलाशयों के ओवरफ्लो होने की स्थिति की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टरों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी व्यक्ति ऐसे नदी, नाले, तालाब में न जाए;इसे लेकर पूरी सतर्कता व सावधानी बरतना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि लोग ओवरफ्लो हुई नदियों के बहाव या नालों में न जाएँ; इसके लिए पुलिस की सहायता से सख्ती से काम लिया जाए। राज्य के जलाशयों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 206जलाशयों में उनकी जल संग्रहण क्षमताका72.33 प्रतिशत पानी की आवक हुई है,76जलाशय 100 प्रतिशत भर गए हैं और 96 जलाशयों हाई अलर्ट व 19 जलाशयों को अलर्ट पर रखा गया है।

बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार को इस आसमानी आपदा के दौरान राहत-बचाव कार्य आदि में सहायता के लिए सेना की 6 टुकड़ियाँ आवंटित की गई हैं। इसके अतिरिक्त;राष्ट्रीय आपदा बचाव दल (एनडीआरएफ) की 14 एवं राज्य आपदा बचाव दल (एसडीआरएफ) की 22 टीमें भी आपदा प्रबंधन में मदद कर रही हैं। सेना की 6 टुकड़ियों को देवभूमि द्वारका, आणंद, वडोदरा, खेडा, मोरबी तथा राजकोट जिलों में राहत व बचाव कार्यों के लिए तैनात किया गया है। इतना ही नहीं;नौसेना तथा तटरक्षक बल भी राहत-बचाव कार्य में जुड़ गए हैं।

पंचमहाल जिले में सर्वाधिक लोगों को स्थानांतरित किया गया है, तो वडोदरा तथा जामनगर में वायुसेना की सहायता से रेस्क्यू कार्य किया गया है। बैठक में बताया गया कि अब तक 23,871 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है तथा 1,696 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। राज्य में भारी वर्षा की चेतावनी व संभावना अभी भी बनी हुई है। ऐसे में श्री भूपेंद्र पटेल ने नागरिकों से इन परिस्थितियों में सावधानी एवं सुरक्षा बनाए रखने का अनुरोध किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि अत्यंत आवश्यक न हो, तो घर से बाहर निकलना टालें और घर में ही रहें।

उन्होंने लोगों से कहा कि आपदा प्रबंधन प्रशासन द्वारा जारी की गई गाइडलाइन का पालन करें तथा सुरक्षित स्थानों पर जाने की जरूरत के समय जिला प्रशासन का सहयोग करना जान-माल की सुरक्षा और हमारे ही हित में है। राज्य में भारी वर्षा के बीच दीवार गिर जाने, पानी में डूब जाने तथा पेड़ गिरने की दुर्घटनाओं में 7 व्यक्तियों की मृत्यु हुई है। मुख्यमंत्री ने इन मामलों में नियमानुसार सहायता भुगतान की कार्यवाही तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के लोगों के कैशडोल्स, घरेलू उपभोग के सामान की सहायता आदि नियमानुसार देय सहायता वितरण की कार्यवाही भी तत्काल शुरू करने का मार्गदर्शन दिए।

मौसम विभाग ने मछुआरों को समुद्र में न जाने की जो चेतावनी दी है, उसके कड़े पालन के लिए मुख्यमंत्री ने तटवर्ती जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि 30 अगस्त तक कोई मछुआरा भाई समुद्र में न जाए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भारी वर्षा के कारण गाँवों-नगरों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित होने का भी विवरण प्राप्त किया। बैठक में मुख्यमंत्री को बताया गया कि वर्षा के कारण कुल 8,824 गाँवों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित हुई थी, जिनमें से 7,806 गाँवों में विद्युत आपूर्ति बहाल हो गई है। वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुए 6,615 बिजली के खंभों में से 6,033 की मरम्मत का कार्य पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री ने सड़क एवं भवन विभाग को वर्षा के कारण राज्य में पेड़ गिरने, सड़कें टूटने आदि के कारण बंद हुए 806 सड़क मार्गों पर वर्षा के रुकते ही युद्ध स्तर पर कार्यवाही कर वहाँ यातायात-परिवहन सुचारु करने का निर्देश दिया।

उन्होंने वर्षा जल भराव के चलते संभावित महामारी फैलने से रोकने के लिए वर्षा जल की निकासी की व्यवस्था, पानी का क्लोरीनेशनल तथा मच्छर उपद्रव नियंत्रण के लिए दवाई छिड़काव और अन्य स्वास्थ्य संबंधी मामलों में भी जिला प्रशासनों को सज्ज रहने का मार्गदर्शन दिया। मुख्यमंत्री ने इसके लिए जिलों की आवश्यकता के अनुसार दवाइयाँ आदि उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग को जिला प्रशासन के साथ समन्वय में रहने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने जिला व शहरी प्रशासन को प्रशासन द्वारा मौजूदा स्थिति में किए जा रहे त्वरित कार्यवाही की सराहना की और समग्र प्रशासन को अलर्ट मोड पर रह कर जीरो कैजुअलिटी अप्रोच के साथ वर्षा के कारण आई इस आपदा से निपटने का मार्गदर्शन दिया।

मुख्य सचिव श्री राज कुमार ने जिला कलेक्टरों व मनपा आयुक्तों को मौसम विभाग की ओर से समय-समय पर दी जा रही चेतावनियों के प्रति सतर्क रह कर अपने जिलों-शहरों में स्थिति से निपटने के लिए अग्रिम आयोजन करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि अभी भी आगामी दो-तीन दिनों तक राज्य पर भारी वर्षा का संकट मंडर रहा है, तब सभी अधिकारी अपने जिला प्रशासन की टीमों के साथ सज्ज रहें;यह आवश्यक है। इस बैठक में वायुसेना, नौसेना, तटरक्षक बल तथा सेना के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बलवंतभाई आरोग्य केंद्र, गोरगाम, वलसाड में निःशुल्क उपचार से कुष्ठ रोगी मुक्त हुए

वलसाड . 27 अगस्त

राज्य सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई काम कर रही है. चाहे वह निःशुल्क निदान हो या निःशुल्क उपचार अथवा विभिन्न रोगों के लिए रोगी खोज अभियान। आयुष्यमान कार्ड के माध्यम से निःशुल्क उपचार किया जा रहा है, लेकिन घर-घर जाकर सिकल सेल एनीमिया या कुष्ठ रोगी खोज अभियान के माध्यम से इन रोगों के रोगियों का पंजीकरण किया जाता है और उन्हें निःशुल्क उपचार के साथ-साथ उपचार अवधि के दौरान वित्तीय सहायता भी दी जाती है।

वलसाड जिले के वाड पालिया, गोरगाम, वलसाड तालुक के बलवंतभाई बाबूभाई केदारिया का भी एक मामला है, जिन्हें कुष्ठ रोगी खोज अभियान के तहत घर-घर सर्वेक्षण के दौरान कुष्ठ रोग का पता चला था और मरीज मुफ्त इलाज के साथ पूरी तरह से ठीक हो गए। स्वास्थ्य केंद्र. गोरगाम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा नियमित निगरानी के दौरान बलवंतभाई में कुष्ठ रोग के संदिग्ध लक्षण दिखे। इसलिए स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा अधिकारी द्वारा उनकी गहन जांच की गई और 20 मार्च 2023 को मल्टीबैसिलरी कुष्ठ रोग का निदान किया गया। गोरगाम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के वर्तमान चिकित्सा अधिकारी डॉ. क्रिदंत सोलंकी ने कहा, निदान के दिन से ही बलवंतभाई और उनके परिवार को बीमारी के बारे में पूरी जानकारी दी गई और सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले मुफ्त इलाज और कुष्ठ रोगी सहायता के तहत वित्तीय सहायता के बारे में बताकर स्वास्थ्य केंद्र में उनका इलाज शुरू किया गया। योजना। संक्रामक कुष्ठ रोग के कारण उनका इलाज विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार एक वर्ष के लिए एमटीडी (मल्टी ड्रग ट्रीटमेंट) से शुरू किया गया था। इलाज के एक साल पूरे होने के बाद बलवंतभाई अब पूरी तरह स्वस्थ हैं।

बलवंतभाई ने स्वास्थ्य केंद्र और सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि कुष्ठ रोग का निदान होने के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी और अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने समय-समय पर आवश्यक जांच की। उपचार के लिए आवश्यक दवाएँ समय पर उपलब्ध कराई गईं और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों द्वारा कुष्ठ रोगी सहायता योजना के तहत सहायता के लिए एक फॉर्म भेजा गया। योजना के तहत इलाज के दौरान 2500/- रूपये प्रतिमाह की सहायता प्राप्त हुई। इलाज के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों के सहयोग के लिए मैं राज्य सरकार और स्वास्थ्य कर्मियों का बहुत आभारी हूं।

कुष्ठ रोग एक जीवाणुजन्य रोग है। कुष्ठ रोगी को छूने से रोग नहीं फैलता बल्कि यह रोगाणु जनित रोग है। जो मुख्य रूप से त्वचा और तंत्रिकाओं को प्रभावित करता है। जिसमें शरीर पर कहीं भी हल्के, लाल या तांबे केरंगकेदाग हों, उनमें खुजली नहीं होती। आमतौर पर कोई दर्द नहीं होता. इसमें गर्मी, स्पर्श या दर्द संवेदना का पूर्ण अभाव होता है। त्वचा के प्रभावित हिस्से पर गर्म या ठंडे पानी का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

भारी वर्षा से उत्पन्न स्थिति के कारण मुख्यमंत्री का 29 अगस्त का 'स्वागत' कार्यक्रम स्थगित

गांधीनगर 27 अगस्त : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में हर महीने के चौथे गुरुवार को आयोजित होने वाला राज्य स्तरीय 'स्वागत' ऑनलाइन जन शिकायत निवारण कार्यक्रम इस गुरुवार यानी 29 अगस्त को आयोजित नहीं होगा।

राज्यमेंभारीवर्षा से उत्पन्न वर्तमान स्थितिकोध्यानमेंरखते हुए 29 अगस्त गुरुवार कोआयोजित होने वाला राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम तथा जिला स्तर पर आयोजित होने वाले 'स्वागत' कार्यक्रम स्थगित रखे गए हैं।

उल्लेखनीय है कि अगस्त महीने का राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम 29 अगस्त गुरुवार को आयोजित होने वाला था, परंतु भारी वर्षा से उत्पन्न स्थिति के कारण राज्य व जिला स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम स्थगित रखे गए हैं।

मुख्यमंत्री की जन संपर्क इकाई ने सभी सम्बद्ध लोगों से इस स्वागत कार्यक्रम के स्थगित होने से अवगत रहने का अनुरोध किया है।

बारिश के रेड अलर्ट को भूल कृष्णमय हुए सूरती : मंदिरों के साथ कई घरों में भी हर्षोल्लास के साथ जन्माष्टमी मनाई गयी

सूरत, 27 अगस्त,

भारी बारिश और कुछ स्थानों पर जलभराव के बीच सूरत कृष्णमय हो गया और कृष्णमय हो गया: मंदिरों और घरों को सजाकर सूरतवासी भक्तिमय हो गए: मंदिरों के साथ कई आवासीय सोसायटियों में भी कृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन किया गया।

जन्माष्टमी उत्सव सूरत: रेड अलर्ट के पूर्वानुमान और तापी नदी में लगातार पानी छोड़े जाने के कारण सूरत में पिछले दो दिनों से बारिश हो रही है। ऐसे माहौल में जन्माष्टमी होने के कारण लोग रेड अलर्ट को भूल कृष्णमय हो गये. सूरत में मंदिरों के साथ-साथ कई घरों में भी जन्माष्टमी हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। भारी बारिश और कुछ स्थानों पर जलजमाव के बीच जन्माष्टमी के उत्सव में सूरत कृष्णमय हो गया और मंदिरों तथा घरों में सजावट से सूरतवासी भक्तिमय हो गये।

बारिश के रेड अलर्ट को भूल सुरती हुए कृष्णमय: मंदिरों के साथ कई घरों में भी हर्षोल्लास से मनाई गई जन्माष्टमी 2-इमेज

भले ही सूरत में पिछले दो दिनों से बारिश हो रही है और तापी नदी दोनों किनारों पर बह रही है, लेकिन सूरत के लोगों के जन्माष्टमी मनाने के उत्साह में कोई बदलाव नहीं आया है. जनमाष्टमी के दिन सुबह से ही झमाझम बारिश हो रही थी, वहीं दूसरी ओर कृष्ण मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भी कृष्ण जन्मोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी गयी थीं. शहर के जहांगीरपुरा इलाके में स्थित इस्कॉन मंदिर के अलावा सूरत के पौराणिक कृष्ण मंदिर समेत अन्य मंदिरों में भगवान के दर्शन के लिए सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ लगी रही. मानों सूरत कृष्णमय हो गया हो, सूरतवासी जन्माष्टमी उत्सव में लीन हो गए हों।

शहर में भारी बारिश के कारण लोग बाढ़ के खतरे से बेखबर थे और कुछ जगहों पर सीवर का पानी बह रहा था. कृष्ण की एक झलक पाने के लिए शहर के मंदिरों में लंबी कतारें देखी गईं। इसके अलावा कुछ मंदिरों में भक्तों के लिए प्रसादी की भी व्यवस्था की गई। भारी बारिश के बावजूद सुरतियों की कृष्ण भक्ति कम नहीं हुई और भारी बारिश में भी बड़ी संख्या में लोग कृष्ण जन्म उत्सव और दर्शन के लिए उमड़ पड़े.

सूरत शहर के विभिन्न मंदिरों के साथ-साथ कामघापा और आवासीय सोसायटी के घरों में भी श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया, जिससे सूरतवासी भक्ति में डूबे रहे। मंदिरों, सोसायटियों और घरों में सुबह से देर रात तक भजन-कीर्तन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। रात ठीक 12 बजे घरों और समाज के अलावा मंदिरों में शंखनाद के साथ नंद घेरआनंद बेहो, जय कनैया लाल की, हाथी घोड़ा पालकी, जय कनैया लालकी के नारे गूंज उठे। कृष्ण जन्मोत्सव मनाने के साथ-साथ भक्तों को साफ-सुथरे पिंजरे और विभिन्न मिठाइयों का प्रसाद भी दिया गया।

ओप्पो इंडिया ने नया एफ27 5जी लॉन्च किया

अगस्त, 2024:**OPPO** इंडिया ने **F27 5G**लॉन्च किया है। इस स्मार्टफोन में **OPPO** की नई हैलोलाईट **(Halo Light)** है, स्मार्टफोन के रियर में एलईडी का एक घेरा, जो संगीत के साथ जगमगाता है। साथ ही इसमें एडवांस्डएआई कैमरा फीचर्स भी हैं, जिनकी मदद से आप पार्टी की बेहतरीन तस्वीरेंलेकर उन्हें अपने दोस्तों के साथ साझा कर सकते हैं और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सकते हैं। **OPPO F27 5G** दो रंगों **(Amber Orange)** और **(Emerald Green)** में मिलेगा। इसके 128**GB** वैरिएंट का मूल्य 22,999 रुपये और 256**GB** वैरिएंट का मूल्य 24,999 रुपये होगा।

पश्चिम रेल प्रशासन द्वारा वडोदरा की बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र के विश्वामित्री रेलवे कालोनी में स्थित 85 आवासों के 350 रेल कर्मियों व उनके परिवार जनों को राहत प्रदान करते हुए उन्हें फ़ूड पैकेट्स , आरओ वाटर बॉटल्स वितरित किये गये । इसमें पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा ।

गुजरात में हुई सीजन की सौ फीसदी बारिश, जलाशय लबालब

गांधीनगर,27 अगस्त

गुजरात में अगस्त महीने में ही सीजन की 100 फीसदी बारिश हो चुकी है. पिछले साल यानी 27 अगस्त 2023 की स्थिति देखी जाए तो राज्य में 81.80 फीसदी बारिश दर्ज की गई थी. सौराष्ट्र-कच्छ, मध्य और उत्तर के साथ-साथ दक्षिण गुजरात में भी तूफान आया है। वहीं,राज्यमें इस समय 96 बांध हाई अलर्ट पर हैं. जबकि 19 बांध अलर्ट पर हैं.

गुजरात में 27 अगस्त 2024 सुबह 11 बजे तक राज्य में औसतन 101.58 फीसदी बारिश हो चुकी है. जिसमें कच्छ में सीजन की कुल 116.79 फीसदी बारिश हुई है, जबकि उत्तरी गुजरात में सीजन की सबसे कम कुल 79.99 फीसदी बारिश दर्ज की गई है. इसके अलावा पूर्वी-मध्य गुजरात में सीजन की औसत 98.74 फीसदी, सौराष्ट्र क्षेत्र में 101.52 फीसदी, दक्षिण गुजरात में 108.20 फीसदी बारिश हुई है, इस साल देवभूमि द्वारका जिले में सबसे ज्यादा 170 फीसदी बारिश हुई है सीजन की अब तक की बारिश. पोरबंदर जिले में सीजन की 136 फीसदी बारिश दर्ज की गई है.

गुजरात में भारी बारिश के कारण मुंबई से अहमदाबाद जाने वाली कई ट्रेनें रद्द

अहमदाबाद, 27 अगस्त

गुजरात में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण मुंबई और अहमदाबाद के बीच ट्रेन सेवा प्रभावित हुई है. गुजरात में भारी बारिश के कारण दैनिक जीवन, परिवहन और खासकर पश्चिम रेलवे बुरी तरह प्रभावित हुआ है. आज भी, मूसला धार बारिश के कारण राज्य के कई हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई, जिससे रेलवे अधिकारियों को कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा और उनका मार्ग बदलना पड़ा। लगातार बारिश के कारण मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर जलभराव हो गया है, जिससे स्थिति और जटिल हो गई है और मेल-एक्सप्रेस ट्रेन सेवाओं में बड़ी बाधा उत्पन्न हुई है।

सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में दक्षिण गुजरात के वलसाड, तापी, नवसारी, सूरत, नर्मदा और पंचमहल जिले शामिल हैं। ये इलाके भीषण बाढ़ का सामना कर रहे हैं, कई जगहों पर घुटनों तक पानी भर गया है. सड़कों पर पानी भर जाने से निवासियों का दैनिक जीवन बाधित हो गया है। इतना ही नहीं, इसने यातायात की एक बड़ी समस्या पैदा कर दी है, जिससे लोगों के लिए आवागमन या अपनी नियमित गतिविधियों को पूरा करना मुश्किल हो गया है। प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण कई ट्रेन सेवाएं रद्द कर दी गई हैं। विशेष रूप से, वडोदरा डिवीजन के बाजवा स्टेशन पर जलभराव के कारण दुरंतो, हमसफ़र, सयाजिनगरी सहित इंटरसिटी ट्रेनों को आज रद्द कर दिया गया, जबकि कुछ ट्रेनों को डायवर्ट किया गया जिससे यात्रियों के लिए यात्रा मुश्किल हो गई।

मुंबई सेंट्रल दुरंतो एक्सप्रेस (12268), जामनगर-बांद्रा टर्मिनस हमसफर एक्सप्रेस (22924), दादर-भुज सयाजिनागरी एक्सप्रेस (20907), वडनगर-वलसाड